शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 139 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 14 जून 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

संसद में गूंजेगा नीट रिजल्ट में गड़बड़ी का मामला

कांग्रेस ने नीट परीक्षा मुद्दे की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की अपनी मांग दोहराई

नई दिल्ली

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में पेपर लीक के मामले को लेकर कांग्रेस ने सरकार की तीखी आलोचना की है। पार्टी ने कहा कि इस मामले को लेकर देश में जो गुस्सा है उसकी गूंज संसद में भी सुनाई देगी। साथ ही कांग्रेस ने नीट परीक्षा मुद्दे की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की अपनी मांग दोहराई।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक को हटाने की भी मांग की है। पार्टी ने दावा किया है कि नीट परीक्षा की जांच के लिए चल रही मांग के प्रति भाजपा सरकार का रवैया गैरजिम्मेदाराना और असंवेदनशील है।

सरकार ने करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने पेपर लीक और धांधली के जरिए करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "नीट परीक्षा में ग्रेस मार्क्स ही एकमात्र समस्या नहीं थी। इसमें धांधली हुई है, पेपर लीक हुए हैं, भ्रष्टाचार हुआ है। मोदी सरकार के कामों की वजह से नीट परीक्षा में शामिल होने वाले 24 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर है।" उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि परीक्षा केंद्र और कोचिंग सेंटर का गठजोड़ बन गया है, जहां "पैसे दो, पेपर पाओ" का खेल चल रहा है।

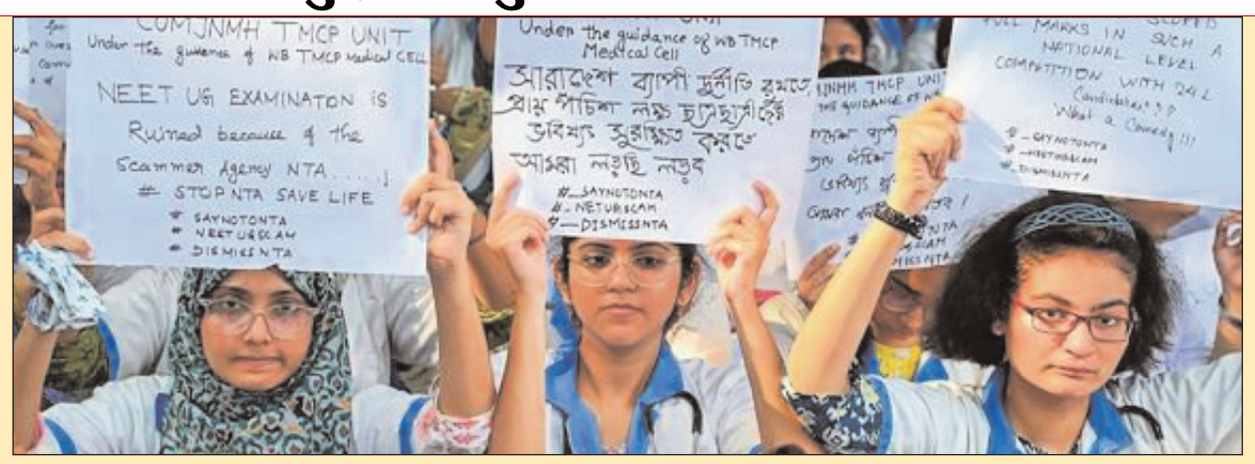

नीट-यूजी : कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 में उम्मीदवारों को ग्रेस मार्क्स देने के एनटीए के फैसले को भले ही रद्द कर दिया हो लेकिन यह मामला शांत होता नहीं दिख रहा है। कांग्रेस ने परीक्षा में धांधली की जांच को लेकर केंद्र सरकार पर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया। पार्टी ने इस मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। वहीं सरकार ने पेपर लीक के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि नीट परीक्षा में किसी प्रकार की धांधली, भ्रष्टाचार या पेपर लीक के कोई भी पुख्ता सबूत अभी तक सामने नहीं आए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नीट परीक्षा मामले में एनटीए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए उचित कार्यवाही करने को कटिबद्ध है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 1563 विद्यार्थियों की परीक्षा दोबारा करायी जाएगी।

उन्होंने कहा कि नीट में किसी प्रकार की धांधली, भ्रष्टाचार या पेपर लीक के कोई भी पुख्ता सबूत अभी तक सामने नहीं आए हैं। इससे संबंधित सारे तथ्य सुप्रीम कोर्ट के सामने हैं और विचाराधीन हैं। मैं कांग्रेस को ये याद दिलाना चाहता हूं की पेपर लीक रोकने और नकल विहीन परीक्षा के लिए केंद्र सरकार ने इसी साल सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम पारित किया है जिसमें कई कड़े प्रावधान हैं। प्रधान ने कहा कि छात्रों के भविष्य पर राजनीति करना कांग्रेस की पुरानी आदत है। राजनीतिक रोटियां सेंकने के बजाय कांग्रेस को भारत के विकास में योगदान देना चाहिए। इस मुद्दे पर जिस तरह की राजनीति की जा रही है, वह केवल भ्रम फैलाने की कोशिश है।

मोदी सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "मोदी सरकार अपने कामों की जिम्मेदारी एनटीए के कंधों पर डालकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती।

मोदी हैं तो महंगाई है, दालों में 10 प्रतिशत का इजाफा: कांग्रेस

नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद देश के लिए फिर से काम करना शुरू कर दिया है। इस बीच नेताओं की एक दूसरे पर बयानबाजी भी शुरू हो गई है। अब कांग्रेस ने पीएम मोदी पर महंगाई को लेकर निशाना साधा है। बता दें कि कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखते हुए कहा, मोदी है तो महंगाई है! चार महीनों से खानों की चीजों के दाम 8.5% से अधिक हो गए हैं। दालों में 10% से अधिक महंगाई बढ़ी है! मई में कीमतें 17.14% बढ़ी हैं। विपक्षी दल का यह बयान हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों के एक दिन बाद आया है जिसमें कहा गया है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली गिरावट के कारण मई में खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रही और यह एक साल के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर पहुंच गई। जयराम रमेश के मुताबिक, घोषणापत्र में पीडीएस में दालों को शामिल करने, गरीबों के लिए प्रोटीन का सेवन बढ़ाने और उन्हें महंगाई से बचाने की भी वकालत की गई थी। जयराम रमेश ने कहा, दालों की महंगाई दर पिछले एक साल में लगातार दोहरे अंक में - 10% से ज्यादा है, मई में कीमतें 17.14% बढ़ी हैं। उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री के पास इस संकट का कोई समाधान नहीं है।' नेशनल स्टेटिस्टिक्स डाटा की तरफ से आई जानकारी के मुताबिक, महंगाई मई में 8.69 प्रतिशत थी। इसके बाद ये अप्रैल में 8.70 प्रतिशत से थोड़ी कम हो गई।जनवरी 2024 से महंगाई के आंकड़ों में काफी बदलाव देखा गया।

100 दिनों के लिए तैयार होगा रोडमैपः सीएम पेमा खांडू

ईटानगर

बीजेपी नेता पेमा खांडू ने तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शपथ लेने के बाद अपने भाषण में कई मुद्दों पर बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का ध्यान बीजेपी के चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने पर होगा। लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद खांडू ने कहा कि पूर्वोत्तर में केंद्र की तरफ से किए गए विकास कार्यों के कारण बीजेपी राज्य में सत्ता में लौटी है।

100 दिनों के लिए तैयार होगा रोडमैप

पेमा खांडू आगे कहते हैं, 'हम सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम लोगों के कल्याण और विकास के लिए चुनावी वादों के आधार पर अगले पांच सालों में सरकार चलाएंगे।' उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक में सरकार के पहले 100 दिनों के लिए विकासात्मक रोडमैप तैयार किया जाएगा।

सरकार के साथ हाथ मिलाने की अपील की

खांडू ने कहा कि नई सरकार सभी के कल्याण के लिए काम करेगी और इसे एक विकसित राज्य बनाने का प्रयास करेगी। उन्होंने लोगों से विकास प्रक्रिया को गति देने के लिए टीम अरुणाचल के हिस्से के रूप में सरकार के साथ हाथ मिलाने की अपील की।

कैबिनेट में एक महिला को किया गया है शामिल

पेमा खांडू ने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्षेत्र और राज्य का विशेष ध्यान रखा है और मुझे उम्मीद है कि आने वाले सालों में अरुणाचल प्रदेश में विकासात्मक गतिविधियों में बड़े पैमाने पर तेजी आएगी।' खांडू ने कहा, 'इस बार, हमने महिलाओं को 2029 का चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने का संदेश देने के लिए कैबिनेट में एक महिला को शामिल किया। बता दें कि मात्र 37 साल की उम्र में खांडू जुलाई, 2016 में मुख्यमंत्री बन गये थे। खांडू और उनके मंत्रिमंडल ने दो बार अपनी पार्टी बदली है। कांग्रेस से पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल प्रदेश (पीपीए) में और फिर भाजपा में और ये पार्टी पांच महीने के अंतराल में बदल गई थी।

नीट-यूजी पेपर लीक के आरोपों को निराधार बताते हुए किया खारिज

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पेपर लीक के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद शास्त्री भवन में पत्रकारों से बातचीत में प्रधान ने कहा कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ था। अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है। एनटीए में भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं। यह एक बहुत ही विश्वसनीय संस्था है। नीट-यूजी 2024 परीक्षा पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नीट मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया। करीब 24 लाख छात्रों ने नीट परीक्षा दी थी और करीब 13 लाख छात्रों ने क्वालिफाई किया। 13 भाषाओं में आयोजित परीक्षा के लिए करीब 4500 केंद्र बनाए गए थे। इस बार जब परीक्षा हुई तो 4500 केंद्रों में से 6 केंद्रों पर गलती से गलत प्रश्नपत्र भेज दिए गए। बाद में सही प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए गए लेकिन इसमें थोड़ा समय लगा। इन केंद्रों पर करीब 1563 छात्र परीक्षा दे रहे थे।

वस्त्र मंत्रालय ने तकनीकी वस्त्रों में स्टार्ट-अप को दी मंजूरी

नई दिल्ली

वस्त्र मंत्रालय ने नवाचार, स्थिरता और परिवर्तनकारी विकास को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी वस्त्रों में स्टार्टअप को मंजूरी दे दी है। यह उद्योग के भविष्य को आकार देगा। गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन (ईटीटीएम) की अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए वस्त्र मंत्रालय में सचिव रचना शाह ने यह बात कही।

वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक ईपीसी ने ह्यरिसर्च एंड एंटरप्रेनरशिप एक्रॉस इंस्पायरिंग इनोवेशन इन टेक्सटाइल योजना के तहत 7 स्टार्टअप प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। भारत सरकार प्रति स्टार्टअप अधिकतम 50 लाख रुपये की फंडिंग सहायता प्रदान कर रही है। अब तक एनटीटीएम के तहत 8 स्टार्टअप प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जिससे इन प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इसके अलावा ईपीसी ने तकनीकी वस्त्रों नए रूप में ढालने के लिए सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रयोगशाला में बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए आईआईटी गुवाहाटी को 6.4 करोड़ रुपये के अनुदान को मंजूरी दी है। यह अनुदान एनटीटीएम के 'निजी और सार्वजनिक संस्थानों के लिए तकनीकी वस्त्रों में शैक्षिक संस्थानों को सक्षम करने के लिए सामान्य दिशा-निर्देश' के तहत दिया जाता है।

पोक्सो मामले में बीएस येदियुरप्पा के खिलाप गैर जमानती वारंट

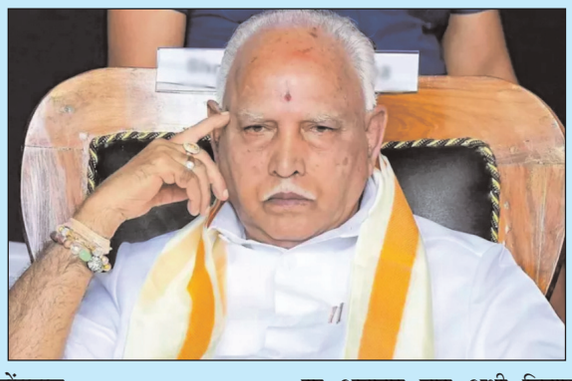

बेंगलुरु

कर्नाटक पुलिस पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा को पोक्सो मामले में गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि कर्नाटक पुलिस ने येदियुरप्पा के खिलाफ वारंट प्राप्त करने के लिए अदालत का रुख किया है। पुलिस ने इस संबंध में बुधवार को 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया।

गिरफ्तारी से पहले जमानत याचिका: सूत्रों ने बताया कि अगर अदालत याचिका स्वीकार कर लेती है और गिरफ्तारी वारंट जारी करती है, तो पुलिस येदियुरप्पा को गिरफ्तार कर लेगी। इस बीच येदियुरप्पा ने मामले में अग्रिम जमानत के लिए गुरुवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक याचिका प्रस्तुत कर दी है। याचिका पर अदालत द्वारा अभी विचार किया जाना बाकी है। इस मामले पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

येदियुरप्पा को नोटिस जारी बता दें कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने वाले अधिनियम पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया था। येदियुरप्पा पर 17 वर्षीय नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। जिसके बाद इस मामले को लेकर बुधवार को सीआईडी ने येदियुरप्पा को नोटिस जारी कर पूछताछ समन भेजा था, इसपर येदियुरप्पा ने हाई कोर्ट का रुख किया है। गौरतलब है कि पीड़िता की मां ने इसी साल मार्च 2024 में येदियुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने येदियुरप्पा पर आरोप लगाया था।

कश्मीर राग अलापने पर पाक चीन को भारत ने आड़े हाथों लिया

नई दिल्ली

चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के उल्लेख पर भारत ने आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि हमने 07 जून को चीन और पाकिस्तान के बीच संयुक्त बयान में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के अनुचित संदर्भों को नोट किया है। हम ऐसे संदर्भों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। इस मुद्दे पर हमारी स्थिति सुसंगत है और संबंधित पक्षों को अच्छी तरह से पता है।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग रहे हैं, हैं और हमेशा रहेंगे। किसी अन्य देश को इस पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि उसी संयुक्त बयान में तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत गतिविधियों और परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें से कुछ पाकिस्तान के जबरन और अवैध कब्जे के तहत भारत के संप्रभु क्षेत्र में हैं।

हम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को प्रभावित करने वाले इन क्षेत्रों पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे को मजबूत करने या वैध बनाने के लिए अन्य देशों के किसी भी कदम का दृढ़ता से विरोध करते हैं और उसे अस्वीकार करते हैं।

खेल मंत्री ने पेरिस ओलंपिक तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली

बहुप्रतीक्षित पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले, नवनियुक्त केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को नई दिल्ली में ओलंपिक 2024 के लिए भारत की तैयारियों पर एक समीक्षा बैठक की। यह पहली बार था जब खेल मंत्री ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा से मुलाकात की। इस बैठक में मनसुख मंडाविया और पीटी उषा के अलावा खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी, साई के महानिदेशक संदीप प्रधान और खेल राज्य मंत्री रक्षा खांडसे भी मौजूद थे। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने मनसुख मंडाविया से बातचीत के बाद अपने अनुभव साझा किए। उषा ने मीडिया से कहा, "केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री ने आईओए का दौरा किया। मुझे बहुत खुशी है कि वे आईओए और पेरिस की तैयारियों के बारे में जानना चाहते थे।

कुवैत: विदेश राज्यमंत्री ने की कुवैती विदेश मंत्री से मुलाकात

आग लगने की घटना में 40 से अधिक भारतीयों की मौत हुई थी

नई दिल्ली

आग की घटना के बाद कुवैत यात्रा पर गए विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने गुरुवार को वहां के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याहया से मुलाकात की। कुवैत के विदेश मंत्री ने कीर्तिवर्धन सिंह से हादसे पर दुख जताते हुए सभी प्रकार से मदद का आश्वासन दिया। आग लगने की घटना में 40 से अधिक भारतीयों की मौत हुई थी। कुवैत में भारतीय दूतावास के अनुसार याह्या ने दुखद घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने चिकित्सा देखभाल, मृतकों के पार्थिव शरीर की शीघ्र स्वदेश वापसी और घटना की जांच सहित पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। राज्य मंत्री ने कुवैत के सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना की। इससे पहले कीर्तिवर्धन ने कुवैत में मुबारक अल कबीर अस्पताल का दौरा किया, जहां 7 घायल भारतीय उपचाराधीन हैं। राज्य मंत्री ने उनका हालचाल जाना और उन्हें भारत सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने भारतीयों की अच्छी देखभाल करने के लिए अस्पताल अधिकारियों, डॉक्टरों और नर्सों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश के बाद कुवैत पहुंचे कीर्तिवर्धन सिंह कल आग लगने की घटना में घायल भारतीयों का हालचाल जानने के लिए तुरंत जाबेर अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती 6 घायलों से मुलाकात की। वे सभी सुरक्षित हैं। मंत्री इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के शवों की शीघ्र स्वदेश वापसी की निगरानी करने और घायल हुए लोगों से मिलने के लिए कुवैत पहुंचे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कल आग की घटना पर कुवैती विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या से बात की थी। उन्हें इस संबंध में कुवैती अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों से अवगत कराया गया और आश्वासन दिया गया कि घटना की पूरी जांच की जायेगी और जिम्मेदारी तय की जायेगी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जान गंवाने वाले लोगों के शवों को शीघ्र स्वदेश वापस लाने का आग्रह किया। याह्या ने इस बात पर जोर दिया कि घायलों को अपेक्षित चिकित्सा सुविधा मिल रही है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अपने आवास पर कुवैत में आग त्रासदी पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें विभिन्न पक्षों तथा ताजा हालात पर चर्चा की गई।

मेजा बार के अधिवक्ताओं ने एसडीएम को कोर्ट से उठने पर किया मजबूर

कहा – भ्रष्टाचार में लिप्त एसडीएम को किसी भी कीमत पर नहीं चलाने देंगे कोर्ट

अखंड भारत संदेश

मेजा। एसडीएम मेजा जयजीत कौर मिश्रा द्वारा कोर्ट चलाने की बहुत कोशिश की गई, लेकिन अधिवक्ताओं ने कोर्ट नहीं चलने दिया और नारे बाजी करते हुए एसडीएम को कोर्ट से उठने पर मजबूर कर दिया। दरअसल बुधवार को मेजा के दो वरिष्ठ अधिवक्ता एसडीएम से मिलकर कोर्ट चलाने को कहा गया था। मंगलवार को भी एसडीएम द्वारा कोर्ट चलाने की नाकाम कोशिश हुई थी। अधिवक्ताओं का कहना था कि जब अधिवक्ता चार माह से हड़ताल पर हैं और मंगलवार को भी बार एसोसिएशन मेजा के उपाध्यक्ष प्रदीप पांडेय द्वारा एसडीएम कोर्ट का बहिष्कार अग्रिम निर्णय तक जारी रहेगा। लिखकर प्रस्ताव दिया गया था, ऐसे में कोर्ट चलाने का क्या औचित्य था। एसडीएम कोर्ट के अलावा सभी दफ्तरों में सामान्य कामकाज जारी रहा। बता दें कि एसडीएम मेजा की कार्यशैली से नाराज मेजा के अधिवक्ता गत 16 फरवरी से हड़ताल पर हैं।

दहेज में दस लाख की मांग और छेड़खानी करने पर विवाहिता ने ससुरालियों पर दर्ज कराया मुकदमा

मऊआइमा। प्रतापगढ़ के थाना मान्धाता के ग्राम सहजनपुर निवासिनी एक दलित युवती ने मऊआइमा के ग्राम उमरिया सारी निवासी अरविंद मिश्रा के साथ 2023 में शादी की थी विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे अन्य जाति का होने और दस लाख रुपए दहेज की मांग की जाने लगी ?विवाहिता का आरोप है कि उसके पति का बहनोई उसके साथ अश्लील हरकतें करता था ?पति से बताने पर वह कुछ नहीं बोलता था। विवाहिता का आरोप है कि उसे मार पीट कर भगा दिया गया ?। विवाहिता ने मऊआइमा थाने में पति अरविंद कुमार मिश्रा, सास ज्ञान देवी,जेठ संतोष कुमार मिश्रा,पति का बहनोई धीरेन्द्र कुमार तिवारी के खिलाफ दहेज उत्पीड़न एवं छेड़खानी आदि का मुकदमा दर्ज करा दिया है।

एसीपी हडिया पंकज लवानिया की अध्यक्षता मे पीस कमेटी की बैठक की गई आयोजित

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव थाना परिसर में बुधवार की शाम आगामी बकरीद के त्योहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बकरीद त्योहार को शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने के लिए एसीपी हंडिया पंकज लवानिया ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक का मुख्य उद्देश्य बकरीद के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करना। एसीपी पंकज लवानिया ने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या अप्रिय घटना से बचने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। लोगों से आग्रह किया कि वे त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं और प्रशासन के साथ सहयोग करें। आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की।थाना अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा थाना अध्यक्ष ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अफवाह के प्रचार-प्रसार से भी बचे। किसी भी प्रकार का शांति भंग एकदम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संभ्रांत व्यक्तियों ने भी इस दौरान सभी समुदाय के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने और आपसी सहयोग की महत्ता पर जोर दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि त्योहार के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। अमन चैन के साथ त्योहार मनाया जाए।उक्त अवसर पर सुल्तान सिद्दीकी, समाज सेवी नागेंद्र सिंह (चच्चू),नवाब मंसूरी,दिलशाद प्रधान,इस्तेखार प्रधान,राम सेवक, प्रधान रामदीन भारतीयता,नसीम अंसारी,नजम उर्फ नजमुल मलिक,इदरीश टाल, नान गुरु,अजय यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

तमंचा निकाल कर लहराने और मार पीट करने पर एक नामजद अन्य अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। बुधवार को खेत में बकरी का बच्चा चले जाने पर युवक को मारा पीटा गया तथा तमंचा निकाल कर लहराया गया। जिसपर पुलिस ने एक नामजद अन्य अज्ञातों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता नई बस्ती निवासी इनदल कुमार का लडका दीपक कुमार बुधवार को शाम के समय बकरी चरा रहा था। बताया गया है कि बकरी का बच्चा अनुज कुमार के खेत में चले जाने पर आरोप है कि दीपक कुमार को मारा पीटा गया और तमंचा निकाल कर लहराया गया। तमाम पंचायतों के बाद इन्दल कुमार ने गुरुवार को शाम को छाता नई बस्ती निवासी अनुज कुमार पटेल पुत्र राजबहादुर तथा अन्य अज्ञातों तथा तमंचा लहरा कर जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी के पास से तमंचा बरामद कर लिया जाएगा।

नाली जाम, सड़क पर बह रहा गंदा पानी,सफाई कर्मी नही है नियुक्त

गंदे पानी में गिरकर राहगीर हो रहे हैं चुटहिल

अखंड भारत संदेश

उतरांव। सैदाबाद विकास खंड क्षेत्र के पौडन गांव में सफाईकर्मी की तैनाती न होने से लोगों को गंदगी के बीच गुजारा करने की मजबूरी है। फिर भी ब्लाक व तहसील स्तरीय अधिकारियों को गांवों के हालात जानने की फुर्सत तक नहीं है। पौडन गांव में मुख्य मार्ग पर नाली का गंदा पानी सड़क पर बहने के कारण राहगीरों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने इसकी शिकायत कई बार विभागीय लोगों से की, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई,जिसको लेकर लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि नाली जाम होने से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। गंदा पानी घरों में घुसने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार विकास खंड के जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। गांव के बैजू गुप्ता,सौकत टाल, डाक्टर कुद्दुस, लड्डू, जुनेद, परवेज, मुनीर, वैस, सहबुद्दीन, सरफराज, अनिल गुप्ता, गोली आदि का कहना है कि कई माह से नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है।इससे उठने वाली दुर्गंध से लोग परेशान हो रहे हैं। गंदा पानी सड़क पर बहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। संक्रामक बीमारी फैलने का भय बना हुआ है। इस मार्ग से दो पहिया वाहन चालक, बच्चे व बुजुर्ग नाली के पानी में अक्सर फिसलकर गिरने से चोटिल हो जाते हैं। नाली का पानी काफी दिनों से सड़क पर बहने के कारण कहीं-कहीं गड्ढ़ा भी हो गया है।इस समस्या से ग्राम प्रधान भी अनजान बने हुए है। खंड विकास अधिकारी सैदाबाद का कहना है कि मैं छुट्टी पर हूं वापस आने पर शीघ्र ही समस्या का समाधान कराऊंगा।

पौडन में सफाई कर्मी कि नहीं है तैनाती

पौडन गांव में सफाईकर्मियों की तैनाती न होने से लोगों को गंदगी के बीच गुजारा करने की मजबूरी है। फिर भी ब्लाक व तहसील स्तरीय अधिकारियों को गांवों के हालात जानने की फुर्सत तक नहीं है । सड़कों व गलियों में बिखरी गंदगी से उठ रही दुर्गंध के कारण लोगों को तमाम तरह की दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण सौकत, जावेद, परवेज, मोबिन, कुद्दूस आदि का आरोप है कि दवाओं का छिड़काव न कराए जाने से मक्खियों व मच्छरों का प्रकोप भी काफी बढ़ गया है। समस्या से जूझ रहे लोग स्वयं घंटों श्रमदान कर साफ -सफाई करने को मजबूर हैं।

न्यूज झरोखा

श्रीमती अनुप्रिया पटेल को तीसरी बार सांसद बनने व राज्य मंत्री बनाए जाने पर दिया बधाई

मेजा। मेजा विधानसभा क्षेत्र के बंधवा गांव निवासी अपना दल (एस) के नेता राजेश पटेल बुलबुल ने पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को तीसरी बार मिजार्पुर से सांसद चुने जाने एवं राज्य मंत्री बनाए जाने पर उनके दिल्ली आवास पर पहुंच पुष्प गुच्छ देकर बधाई दिया। उल्लेखनीय है कि राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष अपना दल (एस) को मिजार्पुर से सांसद तीसरी बार सांसद बनने व भारत सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उर्वरक एवं रसायन राज्य मंत्री भारत सरकार का बनाए जाने पर दिल्ली पाँच सफदरजंग दिल्ली में उनके आवास पर जाकर मेजा विधानसभा निवासी राजेश पटेल 'बुलबुल' ने पुष्प गुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। इस मौके पर राष्ट्रीय सनातन सेना के मुख्य संरक्षक अभय नारायण पाण्डेय, पूर्व प्रदेश महासचिव युवा मंच अपना दल गुड्डू सिंह, विधानसभा अध्यक्ष बार राष्ट्रीय सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे एवं साबू आदि ने श्रीमती अनुप्रिया पटेल को बधाई दिया।

नीट परीक्षा रिजल्ट निरस्त कर पुनः परीक्षा हो : रेवती

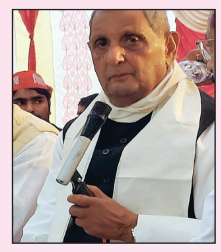

मेजा। पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री को पत्र लिखकर मांग किया कि नीट 2024 परीक्षा को निरस्त कर पुनः परीक्षा कराया जाय ताकि मेधावी छात्रों के साथ न्याय हो सके। पूर्व सांसद ने कहा कि इस परीक्षा परिणाम को लेकर हर तरफ आक्रोश व्याप्त है देश के कई हिस्से से परिक्षार्थी के आत्महत्या की खबरें आ रही हैं और छात्र अभिवावक लगातार आंदोलनरत हैं तो इस नीट 2024 परीक्षा को आयोजित करने वाली संस्था की कार्यशैली पर कहीं न कहीं भ्रष्टचार की बू आ रही हैं इसलिए नीट2024 की परीक्षा को निरस्त कर पुनः परीक्षा कराई जाय और उच्च स्तरीय जांच करा कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही हो ताकि लगातार हो रही प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली पर अंकुश लग सके।

बीओबी आल इंडिया आफिसर्स एसो का आंदोलन जारी

कोरांव। उच्च स्तरीय प्रबंधन जे नीतियों के खिलाफ बैंक आफ इंडिया आफिसर्स एसोसियेशन प्रयागराज प्रथम तथा प्रयागराज द्वितीय संगठन के पदाधिकारियों में क्रमशः बेलाल अहमद, अरविंद कुमार क्षेत्रीय सचिव, मनोज कुमार, रेंज कुमार,मुनित श्रीवास्तव, एन के तिवारी,दीपक सिंह,एवम बैंक के समस्त अधिकारी गण राष्ट्र ब्यापी आंदोलन में दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी रहा।

टटिहरा एवं सहसों में सांत्वना देने पहुंचे सांसद फूलपुर

सहसों। क्षेत्र के उमरी मय टटिहरा गांव निवासी संदीप कुमार 30 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राम लखन की बुधवार को मार्ग दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो जाने पर सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल टटिहरा गांव पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरा दुःख प्रकट कर ढांढस बंधाते शोक व्यक्त किए। इस मौके पर 2 मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल, सत्यम हिंदू , संदीप द्विवेदी, शिव नारायण सिंह गप्पू , त्रिलोकी नाथ सिंह एवं डब्बू दुबे सहित आदि लोग मौजूद रहे। इसी प्रकार सहसों बाजार निवासी सोना देवी 70 वर्ष पत्नी स्वर्गीय राम कैलाश सिंह की स्वाभाविक निधन हो जाने पर सांसद प्रवीण पटेल ने उनके आवास पर पहुंच तेरहवीं संस्कार में शामिल होकर शोक संतप्त परिजनों के दुःख जताते शोक प्रकट किया। इस अवसर पर विजय कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह एवं शोक संतप्त परिजन सहित आदि लोग मौजूद रहे।

युवक को मार पीट कर अधमरा कर दिया गया अज्ञात में एक दर्जन के खिलाफ केस दर्ज

मऊआइमा। देर रात घर जा रहे युवक को मार पीट कर अधमरा कर दिया गया। पुलिस ने एक दर्जन अज्ञातों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बांका जलालपुर निवासी अभिषेक कुमार पुत्र नन्द कुमार का आरोप है कि उसका भाई छेदीलाल बुधवार को देर रात घर आ रहा था। आरोप है कि ग्राम मरखामऊ में उसके भाई छेदीलाल को रोक कर मार पीट कर अधमरा कर दिया गया। अभिषेक कुमार ने बताया कि उसके भाई छेदीलाल का प्राइवेट अस्पताल में उपचार चल रहा है। अभिषेक ने मऊआइमा थाने में एक दर्जन अज्ञातों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है।

कस्बावासी गहरी नींद में थे तभी पड़ गई रेड

कटियामारी कर रहे थे दर्जन भर लोग, केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

बारा। विद्युत विभाग द्वारा गुरुवार को चलाए गए जांच अभियान में दर्जन भर लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है, यह सभी लोग कटियामारी करते हुए पकड़े गए हैं. विद्युत विभाग में छापेमारी की करवाई उस समय की गई, जब लोग गहरी नींद में थे. उपखंड अधिकारी विमल कुमार यादव ने बताया कि विद्युत विभाग की अलग-अलग टीमों ने नगर पंचायत शंकरगढ़ के अलग-अलग क्षेत्र में मॉर्निंग रेड डाली। इसमें कई स्थानों पर कटियामारी और ओवरलोड पाया गया. कटियामारी पकड़े जाने के बाद दर्जन पर लोगों के खिलाफ अवर अभियंता रवि प्रकाश की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है। विद्युत चेकिंग का यह अभियान आगे भी चलाया जाता रहेगा। दूसरी तरफ विद्युत विभाग के द्वारा सुबह चलाए गए अभियान से हड़कंप मचा हुआ है. गुरुवार दिन में ज्यादातर लोगों की कटिया गायब दिखी।इस अभियान में उपखंड अधिकारी विमल कुमार यादव, जेई रवि प्रकाश,असिस्टेंट सुपरवाइजर रावेंद्र मिश्रा, लाइनमैन चंद्रमा प्रसाद, बोधन, गोपाल, राजेन्द्र, अनीस, मोतीलाल आदि शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश कृषक विद्युत बिल माफी योजना का सुनहरा अवसर

करछना। विद्युत उपभोक्ताओं के लिए सुनहरा अवसर आपके द्वारा उ.प्र. कृषक विद्युत बिल माफी योजना के अन्तर्गत दिनांक 30जून से पहले पंजीकरण कर (मूल बकाये का 30%) रु0 26304.207 का भुगतान कर पंजीकरण प्रक्रिया करें एवं इस योजना के अन्तर्गत अधिकतम रु0 100733.69 की छूट प्राप्त करें। बकाया 70% धनराशि का भुगतान 31 जुलाई 2024 तक एकमुश्त करना होगा। किश्तों का चयन करने पर पहली किश्त का भुगतान 31 जुलाई 2024 तक करना होगा एवं बची हई किश्त का भुगतान आगामी माह से प्रतिमाह अपने बिल के साथ करना होगा। निजी नलकूप उपभोक्ताओं को केवल 31 मार्च 2023 तक की बकाया राशि को ही एक मुश्त अथवा किश्तों में जमा करना है। 31 मार्च के उपरान्त किसी भी बकाये को योजना के अन्तर्गत जमा कराने की आवश्यकता नहीं है। 31मार्च 2023 तक के इस बकाए का भुगतान आप वेबसाइट, जन सेवा केन्द्र अथवा विद्युत कार्यालय में जाकर कर सकतें है। पंजीकरण राशि का भुगतान करने पर यह समझा जाएगा कि आपके दारा निम्न नियम एवं शर्तों का पालन करने की पुष्टि की गई है जिसके पालन करने पर ही योजना का लाभ प्राप्त होगा यदि PTW कनेक्शन पर मीटर नहीं लगा है, तो मीटर लगवाना होगा। 31मार्च 2023 तक की बकाया राशि का भुगतान करना होगा। PTW कनेकशन का कराना होगा।

36 साल तक सुबूत न पेश कर सकी पुलिस

प्रयागराज। 36 साल पहले आयुध अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे के दो मुल्जिम लापता हैं। विवेचना के बाद मामला ट्रायल कोर्ट पहुंच गया, लेकिन 36 साल बाद भी पुलिस अदालत में मुल्जिम पेश कर सकी न गवाह। नतीजा, कोर्ट बोली गिरफ्तारी संभव नहीं, मुकदमा दाखिल दफ्तर (मुकदमा बंद किया जाना) हो।यह आदेश मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शशि कुमार की अदालत ने दिया है। मामला प्रयागराज जिले के थाना कोतवाली का है। वर्ष 1988 में पुलिस ने राजेश उर्फ अनीश और राजकुमार के खिलाफ अवैध हथियार रखने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। विवेचना के बाद पुलिस ने मामले को 1988 में ही ट्रायल कोर्ट को सुपुर्द कर दिया। मामले में तारीख दर तारीख लगती रही लेकिन मुल्जिम पेश न हुआ। अदालत ने पहले जमानती और फिर गैर-जमानती वारंट जारी किया। लेकिन न दोनों मुल्जिम खुद पेश हुए न उन्हें पुलिस पेश कर सकी। तीन दशक से इस मुकदमे का बोझ झेल रही अदालत ने जनवरी 2024 में कोतवाली पुलिस से गैर-जमानती वारंट पर आख्या मांगी। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि राजेश 25 साल पहले घर बेच कर कही जा चुका है जबकि राजकुमार नाम का कोई व्यक्ति दिए गए पते पर रहता नहीं। लिहाजा, कोर्ट ने मुल्जिम के गैर मौजूदगी में मुकदमे में गवाही शुरू करने का आदेश दिया और अभियोजन के गवाहों और सुबूतों को तलब किया। मुल्जिमों को पेश करने में विफल रही पुलिस अदालत में अपने गवाह और सुबूत भी न पेश कर सकी। कोर्ट ने अभियोजन साक्ष्य के अवसर समाप्त करते लापता मुल्जिमों के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को स्थगित कर दिया। गिरफ्तारी की गुंजाइश को खत्म मानते हुए कोर्ट ने मुकदमे की पत्रावली को दाखिल दफ्तर करने का फैसला सुना दिया। हालांकि, कोर्ट ने दोनों मुल्जिमों के खिलाफ स्थायी वारंट जारी कर आदेश की प्रति पुलिस कमिश्नर को भेजी है। **कहां है अवैध हथियार :** हैरानी की बात यह है कि पुलिस वो अवैध हथियार भी अदालत में बतौर सुबूत पेश नहीं कर पाई जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ। जबकि, मामला ट्रायल कोर्ट में भेजने से पहले विवेचक ने साक्ष्य संकलित कर कथित अवैध हथियार बरामद कर, मालखाने में जमा किया होगा।

साहब कब मिलेगा न्याय दम्पत्ति को मारा पीटा गया , जान से मारने के दी जा रही धमकी

मऊआइमा। घर के बगल जुआ खेल रहे जुआरियो को मना करने एवं पुरानी रंजिश को लेकर दबंग जुआरियो ने दम्पत्ति को मारे पीटे जान से कि धमकी देते हुए गांव से भगा देने की धमकी दिए। भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी कोई सुनवाई न होने पर संबंधित उच्च अधिकारियों के यहाँ न्याय की गुहार लगा रहा है और इंतेजार में है कि साहब से न्याय कब मिले गा । मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के अलीवृसिंहपुर गांव निवासी सतीश कुमार चौरसिया पुत्र रामजी चौरसिया का कहना है कि घर के बगल जुआरी जुआ खेलेते रहते है । उसी को लेकर रंजिश चली आरही है।तीन जून को समय लगभग सात बजे के करीब सतीश की मां राधा देवी और पिता राम जी जुआरियो को जुआ खेलने से मना किया तो दबंग जुआरियो ने सतीश की माता राधा देवी व पिता राम जी चौरसिया को लाठी डंडो से मार पीट कर जख्मी कर कर दिए । और कान में पहने हुए सोने का टप नोच ले गए एवं पिता राम जी चौरसिया से एक हजार रुपया छीन लिए और कहा गया कि घर छोड़ कर गांव से निकल जाओ नही तो जान से हाथ धोना पड़े गा। इस घटना की लिखित शिकायत सतीश कुमार चौरसिया ने मऊआइमा थाने मे दी परन्तु कोई सुनवाई न होने पर डी सी पी गंगानगर को लिखित शिकायत की है।अब देखना है कि भुक्तभोगी को कब न्याय मिलता है।

भुक्तभोगी जुआरियो की शिकायत कई बार स्थानीय थाने में की लेकिन कोई सुनवाई नही हुई आरोप है कि इसी को लेकर उक्त घटनाघटित हुई है

लाइसेंस अप्रूवल की कमी से चार साल में 50 फीसदी तक घटा लाइसेंस हथियारों का कारोबार

अखंड भारत संदेश

एक साल में बंद हुई चार गनहाउस की दुकानें

प्रयागराज। एक वक्त था, जब हथियारों का कारोबार करने वाले दुकानों पर खरीदारों की लंबी लाइन लगा करती थी। भीड़ ज्यादा होने के कारण एक-एक ग्राहकों को दुकानों में प्रवेश दिया जाता था, लेकिन अब कारोबार इसके ठीक उलट हो गया है पुलिस-प्रशासन स्तर से लाइसेंस नहीं मिलने से किसी के दुकानों पर एक माह तो, किसी पर चार-चार महीनों में सिर्फ एक ग्राहक आ रहा है।इससे परेशान होकर अधिकतर कारोबारी दुकानों को बंद कर किसी और धंधे में लग गए हैं। कारोबारियों ने बताया कि लाइसेंस अप्रूवल की कमी से पिछले चार सालों में प्रयागराज में पचास फीसदी तक हथियारों का कारोबार घट गया है।कारोबारियों ने बताया कि ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें आज भी रिवॉल्वर और राइफल रखने का शौक है, लेकिन उसके लिए लाइसेंस जरूरी है बिना लाइसेंस के एक भी हथियार नहीं बेचा जा सकता है। लोग लाइसेंस के लिए जिला प्रशासन से लेकर पुलिस मुख्यालय के चक्कर काटते रहते हैं, लेकिन लाइसेंस नहीं अप्रूव किया जाता है। जब ग्राहकों के पास लाइसेंस ही नहीं रहेगा तो वह हमारी दुकानों में कैसे आ जाएगा। जॉनसेनगंज स्थित एसएन नियोगी कंपनी के पार्टनर एएन नियोगी ने बताया कि वर्ष 2020 से पहले जॉनसेनगंज समेत विभिन्न इलाकों में 42 गन हाउस हुआ करते थे, लेकिन अब इन्हीं सब कारणों से महज 22 दुकानें ही बची हुई हैं। एएन नियोगी बताते हैं कि उनकी दुकान वर्ष 1948 में खोली गई थी।शुरूआत के सालों में कारोबार अच्छा चलता था। राइफल और रिवॉल्वर खरीदने वाले वाले दुकानों के बाहर लाइनें लगाकर खड़े रहते थे, लेकिन वर्ष 2014 से कारोबार धीरे-धीरे कम होने लगा। हर साल हथियारों की ब्रिकी घटती चली गई। साल 2023 से अब तक चार दुकानें बंद हो गईं। इनमें शाहगंज स्थित सूजन गन हाउस, कर्नलगंज स्थित विवेक गन हाउस, हीवेट रोड स्थित संजीव गन हाउस और लीडर स्थित जिया ट्रेडर्स शामिल हैं।पीएन विश्वास एंड कंपनी के मालिक वरुण डे बताते हैं, गन हाउस बंद होने की सबसे बड़ी वजह धारकों को लाइसेंस न मिलना तो है ही, साथ ही दुकानों को लाइसेंस का रेट बढ़ना भी एक कारण है। दुकानों पर ग्राहक आते नहीं हैं और जब लाइसेंस रिन्यूअल कराने की बात आती है तो पचास हजार फीस जमा करना होता है, जबकि पहले महज 1200 रुपये में लाइसेंस रिन्यूअल हो जाता था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जितनी भी बंदूक की दुकानें हैं, वह सिर्फ पुश्तैनी काम होने की वजह से चल रहा है। उनकी दुकान तो तीन पीढ़ियों से चल रही हैं, इसलिए इस कारोबार को नहीं बंद कर सकते हैं। ऐसे ही उनके जैसे अन्य कारोबारी भी जिनका काम पुश्तैनी है, वरना महीनों तक एक भी ग्राहक न आने पर इस कारोबार को कोई नहीं करना चाहता है। वहीं, कारोबारी वरुण डे बताते हैं कि कई दुकानदारों ने अपने दुकान पर एयर गन भी रखना शुरू कर दिया है, ताकि ग्राहक बने रहे।

पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बकरीद एवं गंगा दशहरा त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए समन्वय बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

साफ-सफाई, बिजली, पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश, बकरीद एवं गंगा दशहरा त्यौहार को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाये

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त रमित शर्मा एवं जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला पंचायत सभागार में बकरीद एवं गंगा दशहरा त्यौहार को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने कहा कि किसी नई परम्परा की शुरूआत न की जाये, निर्धारित परम्परा के अनुसार ही त्यौहारों को मनाया जाये। उन्होंने बकरीद एवं गंगा दशहरा त्यौहार को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखे जाने के लिए कहा है। कोई भी अनावश्यक पोस्ट न डाले, जिससे महौल खराब हो। कहा कि प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी न की जाये। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए है।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहारों को आपसी भाईचारे के साथ मनायें। बैठक में पीस कमेटी के सदस्यों के द्वारा दिए गए सुझावों पर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है। उन्होंने साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित किए जाने हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दे। सार्वजनिक स्थल पर कुबार्नी के अवशेष न रखे जाये तथा वहां की सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये एवं अवशेष को निर्धारित स्थल पर रखकर निस्तारित किया जाये। सुअर पालकों से एनओसी ले लिया जाये ताकि सुअर इधर-उधर न घूमने पायें। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त एन0 कोलांची, डीसीपी गंगापार, यमुनापार एवं नगर, डीसीपी यातायात, एडीएम सिटी मदन कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद सिंह, सिविल डिफेंस, पीस कमेटी के सदस्यों के अलावा अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नैनी पुलिस ने ऑनलाईन गेम के माध्यम से अन्तर्राज्यीय गिरोह को किया गिरफ्तार

साइबर अपराध कर करोड़ो रुपए का फ्राड करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के 02 वांछित अभियुक्त थाना नैनी पुलिस द्वारा गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी कोतवाली में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के अंतर्गत पुलिस उपायुक्त यमुनानगर श्रद्धा नरेन्द्र पांडे के निर्देश के क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त करछना संजय कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना नैनी यशपाल सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वाराथाना नैनी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 381/ 2024 धारा 34/ 419/ 420/ 467/ 468/ 471 भा0द0वि0 व 66सी/ 66डी आईटी एक्ट के वांछित 2 अभियुक्त 1.मनीष राव सोमटकर उर्फ चिन्टू पुत्र हेमन्त राव सोमटकर निवासी आदर्श नगर हाउसिंग बोर्ड थाना जामुल भिलाई छत्तीसगढ़ 2.मनीष सोनी पुत्र ओमप्रकाश सोनी निवासी अर्जुननगर कैम्प-1 थाना वैशालीनगर जिला भिलाई छत्तीसगढ़ को मुखबिर की सूचना पर डांडी तिराहा थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों उपरोक्त के कब्जे से साइबर फ्राड की घटनाओं में प्रयुक्त 3 एन्ड्राएड मोबाइल फोन व 1 लैपटाप बरामद किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

नैनी क्षेत्र के डांडी में मोटर मालिक से की मारपीट, कार में तोड़फोड

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी थाना क्षेत्र के डांडी इलाके में गुरुवार की भोर में मोटर मालिक से की मारपीट वह कार में तोड़फोड की विवाद में जमकर बवाल हुआ। ट्रांसपोर्टर के एक मुंशी की पिटाई की गई। कारों में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान फायरिंग का भी आरोप है। पूरे सूरदास थाना झूंसी इलाके में रहने वाले प्रदीप कुमार पांडेय ट्रॉसपोर्टर हैं। उनकी ट्रकें चलती हैं। प्रदीप का आरोप है कि पिछले कई दिनों से रेहान निवासी मेंहदौरी, आशुतोष केसरवानी, मोनू खां उनसे गुंडा टैक्स मांग रहे थे। नहीं देने पर गुरुवार को मेवालाल की बगिया स्थित एक आयुवेदिक कंपनी के पास गाड़ी खाली करार वापस लौट रहे उनके मुंशी प्रदीप कुमार जायसवाल निवासी मामा भांजा को पकड़ कर पीट दिया। धमकी दी कि अपने मालिक से कह दो कि यदि ट्रक चलवाना है तो गुण्डा ट्रैक्स देना ही पड़ेगा। वहां से मुंशी किसी तरह से अपनी जान बचाकर डांडी पहुंचा। मोटर मालिक को घटना की सूचना दी। आरोप है कि डांडी में एक अपार्टमेंट के पास रेहान खान, आशुतोष केसरवानी, मोनू खान व दिव्यांश केसरवानी निवासी चाकघाट रीवा कई अज्ञात साथियों के साथ मोटर मालिक पर हमला कर दिया। जब सभी वहां से भागने लगे तो उक्त लोगों ने उनकी कार में तोड़फोड और फायरिंग की। मामले में इंस्पेक्टर नैनी यशपाल सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। दोनों पक्षों की ओर तहरीर मिली है। दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज की जा ही है। फायरिंग की जांच की जा रही है।

विशेष लोक अदालत का आयोजन 29 जुलाई से 03 अगस्त तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित

प्रयागराज। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 29.07.2024 से दिनांक 03.08.2024 तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। यदि आप माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लम्बित अपने मामले को इस लोक अदालत के माध्यम से सुलह-समझौते द्वारा निस्तारित कराना चाहतें है, तो अपने मामले को लोक अदालत में सूचीबद्ध कराने हेतु आप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज के कार्यालय में दिनांक 28.07.2024 से पहले सम्पर्क करें। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में सम्पर्क करें। यह जानकारी श्री दिनेश कुमार गौतम, सचिव/ एडीजे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज द्वारा प्रदान की गयी है।

21 जून को व्यवस्थित एवं उत्साह के साथ मनाया जायेगा दशम अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस

15 जून से 20 जून तक विभिन्न स्थानों पर योग सप्ताह का किया जायेगा आयोजन, इस बार योग दिवस की थीम योग स्वयं एवं समाज के लिए निर्धारित किया गया है

प्रयागराज। जिला विकास अधिकारी/प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया एवं मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज ने गुरूवार को 21 जून, 2024 को आयोजित होने वाले दशम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में संगम सभागार में सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष योग दिवस की थीम ह्यह्ययोग स्वयं एवं समाज के लिएह्लह्ल निर्धारित किया गया है। बैठक में बताया गया कि 15 जून से 20 जून तक योग सप्ताह मनाया जायेगा तथा 21 जून को योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम होगा। 15 जून से 20 जून तक सभी विकास खण्डों, तहसीलों, ग्राम पंचायतों, मुख्यालय में योग सप्ताह कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन सुबह 06:00 से 07:00 बजे के मध्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। मुख्यालय स्तर पर योग सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन 15 जून से 20 जून तक प्रतिदिन सुबह 06:00 बजे से 07:00 बजे के मध्य चंद्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित किया जायेगा। बैठक में यह भी बताया गया कि 15 जून से 21 जून तक आयोजित योगा कार्यक्रम के तहत योग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति आयुष कवच पर योग करते हुए अपना फोटो अवश्य अपलोड करें। प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, साउण्ड सिस्टम, एलईडी की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त, आयुवेर्दीक अधिकारी डॉ0 शारदा प्रसाद सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इविवि के बाहर समाजवादी छात्रसभा ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। गुरुवार को समाजवादी छात्रसभा के कार्यकताओं ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के बाहर प्रदेश सरकार का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। दरअसल, कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई जा रही है कि प्रदेश सरकार पुलिस भर्ती आउटसोर्सिंग के माध्यम करने की तैयारी कर रही है। इसी के विरोध में आज छात्रसभा के कार्यकताओं ने पुतला जलाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकताओं ने ह्वसंविदा पर नहीं, हमें पक्की नौकरी चाहिए, भाजपा निजीकरण बंद करोह्व जैसे नारे भी लगाए। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय सम्राट ने कहा बीजेपी सरकार नौकरी देने में असफल है। इस सरकार में बेरोजगारी चरम सीमा पर है। सरकार ने अग्निवीर योजना की तर्ज पर पुलिस भर्ती भी आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराना चाहती है। सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी पाने पर छात्रों में व्यापक आक्रोश है यदि इस तरीके के निर्णय सरकार द्वारा लिए जाते हैं तो इसका पुरजोर तरीके से विरोध होगा और इसकी लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ने का काम किया जाएगा। इस मौके पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई महासचिव आशुतोष मौर्य, इकाई उपाध्यक्ष सत्येंद्र गंगवार, इकाई सचिव अनूप यादव, छात्र नेता विकास यादव, पवन कुशवाहा, शिवम यादव, उज्जवल कुमार पटेल, हरिशंकर, शाश्वत गुप्ता, शशिकांत प्रियांशु आदि रहे।

महापौर ने किया नगर के नाला पम्पिंग स्टेशनो का निरीक्षण

निरीक्षण में गंदगी से पटे पड़े व जाम पड़े नालों को देख आक्रोशित महापौर ने अधिकारियों को दिये बरसात से पूर्व सफाई के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गुरुवार को उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी महापौर प्रयागराज द्वारा वर्षा ऋतु के दृष्टिगत में जलप्लावन न उत्पन्न हो की दृष्टि से चाचर नाला पम्पिंग स्टेशन ,मोरी दारागंज पम्पिंग स्टेशन, संत निरंकारी का नाला, हण्डिया बाबा नाला,चाचर नाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय क्षेत्रीय पार्षद विनय कुमार मिश्र,मुकेश लारा,नीरज टंण्डन, पूर्व पार्षद राजेश निषाद व पार्षद प्रतिनिधि तीर्थ राज पाण्डेय, सतीश कुमार मुख्य अभियन्ता व राम सक्सेना अवर अभियन्ता आदि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम संत निरंकारी के नाले का निरीक्षण किया गया पूरा नाला गन्दगी से पटा पाया गया तथा पानी का बहाव अवरूद्व पाया गया।मोरी गेट पम्पिंग स्टेशन पर तीन पम्प बदलने का कार्य चल रहा था। मोरी में मिलने वाले सभी नाले गन्दगी व पन्नी आदि से भरे पाये गये पानी का बहाव अवरूद्व पाया गया। मोरी पम्पिंग स्टेशन को मिलने वाले एक नाले की दीवार पूर्णतः क्षतिग्रस्त पाया गया। चाचर नाले के किनारे काफी मात्रा में कूड़ा जमा पाया गया। नाले की सफाई का कार्य चल रहा था जिसे तत्काल त्वरित गति से साफ कराने के निर्देश दिये गये। चाचर नाले पम्पिंग स्टेशन पर अन्य नाले जो वहॉ पर मिलते है गन्दगी से पटे पाये गये।बलुआघाट चौराहे से मुट्ठीगंज थाने तक स्थित चाचर नाला गन्दगी से भरा पाया गया । महापौर द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि वर्षा ऋतु से पूर्व शहर में स्थित सभी नालों की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाय इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि सफाई करने वाले सफाई कर्मचारियों को दस्ताना व जूता सम्बन्धित फर्म द्वारा उपलब्ध कराया जाय। मशीनों द्वारा सफाई होने वाले नाले की सिल्ट 48 घंटे में प्रत्येक दशा में नाले के बगल से हटा लिया जाय। नालों की सफाई में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय जिससे शहर में जल प्लावन की स्थिति न उत्पन्न होने पाये।

तीन करोड़ रुपये गबन के मामले में तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को अग्रिम जमानत

प्रयागराज। वर्ष 2010-11 में मेरठ स्थित मदरसों में छात्रवृति के तीन करोड़ रुपये गबन के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। सरकार ने याची तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के खाते में तीन करोड़ रुपये भेजे थे, जिसे मदरसा प्रबंधकों के खाते में ट्रांसफर किया जाना था। उक्त मामले में पाई गई अनियमितताओं पर तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुमन गौतम और कार्यालय लिपिक संजय त्यागी समेत कई मदरसा संचालकों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में 98 मुकदमे मेरठ जिले में दर्ज किए गए थे ।याची के ऊपर आरोप है कि न्यू एचएम जूनियर हाईस्कूल रशीद नगर मेरठ में बच्चों को नगद छात्रवृति का वितरण कर नियमावली का उल्लंघन किया गया है। मामले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) मेरठ को सौंपी गई । याची अधिवक्ता सुनील चौधरी ने न्यायालय को बताया विभागीय जांच में ईओडब्ल्यू ने स्वयं माना है कि शासकीय धन के गबन का आरोप प्रमाणित नहीं पाया गया। याची ने शासनादेश के अनुरूप मदरसा संचालकों के खाते में छात्रवृत्ति ट्रांसफर की है। वर्तमान में याची बागपत जिले की अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर कार्यरत है । प्रकरण में अपर शासकीय अधिवक्ता ने जवाब दाखिल किया है। कोर्ट ने याची को प्रति उत्तर दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का समय देते हुए 50 हजार रुपये के निजी मुचलके व 2 प्रतिभूति दिए जाने की शर्तों के साथ अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। कोर्ट ने विवेचना अधिकारी को जल्द जांच पूरी करने का निर्देश दिया और याची को निर्देश दिया कि इस आदेश की प्रति पुलिस अधीक्षक, संबंधित को उपलब्ध कराए। संबंधितअधिकारी इस आदेश का अनुपालन कराएंगे। अगली सुनवाई की तारीख 5 अगस्त नियत की है।

जर्जर एवं ढीले विद्युत तारों से दुर्घटना होने की संभावनाएं बढ़ी

नैनी। नैनी क्षेत्र के एफसीआई रोड स्थित शक्ति नगर मोहल्ले में खींचे गए बिजली के खंभों पर के तार काफी जर्जर एवं ढीले हो गए हैं । जिसके चलते आए दिन दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। बताया जाता है कि नैनी क्षेत्र के एफसीआई रोड शक्ति नगर मोहल्ले में बिजली के खभों पर पर खींचे गए तार काफी जर्जर एवं ढीले हो गए हैं। ढीला एवं जर्जर तार लोगों के दरवाजे के सामने लटक रहा है। यह तार जमीन से तकरीबन 5 फीट की ऊंचाई पर देखा जा सकता है। मोहल्ले वासियों का कहना है, कि यह जर्जर तार आए दिन आपस में टकराकर नीचे जमीन पर टूटकर गिर जाते हैं। जिसके चलते आए दिन दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इतना ही नहीं रात में इन तारों के टूट कर गिरने से कई घंटे बिजली भी नदारद रहती है। इसकी जानकारी बिजली विभाग के अधिकारियों को कई बार दी गई, बावजूद इसके उनके द्वारा इस तरफ जरा सा ध्यान नहीं दिया जा रहा है । शायद वह लोग भी कोई बड़ी घटना होने का इंतजार कर रहे हैं। मोहल्ले वासियों ने विद्युत के उच्चाधिकारियों का ध्यान इस तरफ आकर्षित कराते हुए उक्त मोहल्ले में जर्जर एवं ढीले विद्युत तारों को अविलंब बदलवाने की मांग की है।

महाकुंभ 2025 की भव्यता को बढ़ाने के दृष्टिगत शहर में लगाए जाएँगे 4 प्रमुख द्वार एवं 108 स्तम्भ

मिन्टो पार्क में दर्शाए जाएंगे द्वादश ज्योतिर्लिंग, भारद्वाज पार्क में बनेगी नक्षत्र वाटिका

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव को और दिव्य एवं भव्य बनाने के दृष्टिगत शहर के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रयागराज के बहुप्रसिद्ध मिन्टो पार्क में श्रद्धालुओं को द्वादश ज्योतिर्लिंगों का दर्शन कराने का भी प्रबन्ध किया जा रहा है। पार्क के एक चिह्नित स्थल पर 12 दीवालों पर द्वादश ज्योतिर्लिंग चित्रित किए जाएंगे जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को उन सभी ज्योतिर्लिंगों का दर्शन उन दीवारों के माध्यम से कराया जा सके। इसके अतिरिक्त आस-पास की जगह पर लैंड स्केपिंग एवं ग्रीनरी विकसित करने का कार्य भी कराया जाएगा तथा श्रद्धालुओं की जानकारी बढ़ाने के दृष्टिगत वहाँ पर उन सभी ज्योतिर्लिंगों से संबंधित आवश्यक जानकारी भी इंगित की जाएगी। इसी क्रम में मनुष्य जीवन में नक्षत्रों के हिसाब से प्रभाव डालने वाले वृक्षों की जानकारी हेतु भरद्वाज पार्क में नक्षत्र वाटिका की स्थापना भी की जाएगी, जहां 27 नक्षत्रों के हिसाब से 27 प्रकार के महत्वपूर्ण पौधे लगाए जाएँगें। लोग यहां आकर अपना नक्षत्रों के अनुसार पौधे की जानकारी हासिल कर सकेंगे इसके अतिरिक्त अयोध्या में राममंदिर तक जाने वाले पहुंच मार्ग पर लगाए गए विभिन्न स्तंभों से प्रेरणा लेते हुए शहर के विभिन्न स्थानों पर फसाड लाइटिंग से सुसज्जित लगभग 108 स्तम्भ भी लगाये जायेंगे। इन्हें जीटी जवाहर से फोर्ट द्वार तक, सभी रिवर फ्रन्ट रोड्स तथा अन्य प्रमुख मार्गों पर लगाया जाएगा। साथ ही विभिन्न मार्गों से शहर में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत हेतु चार बड़े द्वार भी लगाये जाएँगे जिसमें गंगा द्वार फाफामऊ साइड पर, यमुना द्वार को रीवा साइड पर, सरस्वती द्वार वाराणसी साइड पर एवं शिव द्वार सहसों साइड पर लगाया जाएगा।

एसबीआई के सर्वर रूम में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने दो घंटे की मेहनत के बाद आग पर पाया काबू

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय स्टेट बैंक की शाखा कीडगंज में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके चलते बैंक का कामकाज प्रभावित रहा। कीडगंज स्थित भारतीय स्टेट बैंक में सुबह आग लग गई। देखते ही देखते बैंक के सर्वर रूम से आग की लपटें उठने लगीं। इससे लोगों में खलबली मच गई। सूचना पाकर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग सर्वर रूम में शटर के अंदर लगी थी। जिसका ताला बाहर से बंद था। दमकलकर्मियों ने ताले को काटकर अंदर धधक रही आग को किसी तरह से बुझाया।

मड़ौका एवं मोहब्बतगंज में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

नैनी। नैनी क्षेत्र के मड़ौका एवं मोहब्बतगंज उपरहार में गुरुवार को पीडीए की टीम ने कई बीघे में की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। पीडीए के जोनल अधिकारी संजीव कुमार उपाध्याय की अगुवाई में टीम ने मड़ौका उपरहार मोहब्बतगंज उपरहार और द्वारा मौजा मोहब्बतगंज उपरहार में कुल 30 बीघा में अवैध प्लाटिंग पर निर्माण को ध्वस्त कराया। जोनल अधिकारी के मुताबिक लगभग 30 करोड़ से अधिक की कीमत की अवैध तरीके से की गई प्लाटिंग को ध्वस्त कराया गया।

बालश्रम सभ्य समाज के लिए एक अभिशापः गुप्ता

अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहुता में तरुण चेतना एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (ए.एच.टी.यू.) थाना प्रतापगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर बच्चों के साथ बाल श्रम जागरूकता समारोह एवं रैली का आयोजन किया गया जिसमें बाल श्रम रोकने हेतु बच्चों को जागरूक किया।

इस कार्यक्रम में तरुण चेतना के निदेशक नसीम अंसारी ने बाल श्रम निषेध दिवस के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल श्रम के खिलाफ पहला विश्व दिवस 12 जून 2002 को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा मनाया गया था। आईएलओ का मुख्यालय जिनेवा,स्विट्जरलैंड में है तब से, 12 जून को दुनिया भर में बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता। इसी क्रम में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट सब इंस्पेक्टर रामचंद्र गुप्ता ने बच्चों को संवर्धन करते हुए कहा कि बालश्रम सभ्य समाज के लिए अभिशाप है 14 वर्ष से कम आयु या 14 से 18 वर्ष की आयु के बीच के बच्चे को किसी खतरनाक व्यवसाय या प्रक्रिया में बालश्रम करता है, तो उसे एक से छह महीने के बीच जेल की सजा या 20,000 से 50,000 के बीच जुर्माना या दोनों सजा हो सकता है। बाल अधिकार परियोजना के जिला कोऑर्डिनेटर ने कहा बालश्रम को समाप्त किया जाना चाहिए क्योंकि यह बच्चे से उसका बचपन और प्रारंभिक शिक्षा की संभावना छीन लेता है। इसके अलावा चूंकि बाल श्रमिक सस्ते होते हैं और परिणामस्वरूप जोखिम भरे रोजगार में लगे होते हैं, इसलिए वे अक्सर मानसिक और शारीरिक बीमारी के प्रति ग्रसित हो जाते हैं। इस अवसर पर बच्चों के ग्राम प्रधान वाहिद अंसारी ने कहा कि बाल श्रम एक अभिशाप है इसे खत्म करने के लिए हम सभी को आगे आना चाहिए। एचटीयू थाना के दिवान फिरोज सिद्दीकी ने कहा बताया कि बच्चों की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है अगर किसी प्रकार की जरूरत पड़ती है तो पुलिस बच्चों के सुरक्षा के सजकता के साथ बच्चों की मदद करती हैं। इस कार्यक्रम का संचालन हकीम अंसारी ने किया इस दौरान डॉक्टर आबिद पब्लिक स्कूल के प्रबंधक कासिम, एवं बाल संसद के नवनिर्वाचित पदाधिकारी मनीष गुप्ता, शिवानी, शांति, मोहित गौतम, साहिल, आराध्या सरोज, शकुंतला, आरती पटेल आदि लोगों की सक्रिय भूमिका रही।

जागरुकता रैली में शामिल बच्चे।

इग्नू की परीक्षा में चार ज़िलों के परीक्षार्थी हुए शामिल

आज की परीक्षा में 18 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर के एमडीपीजी कॉलेज स्थित इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) अध्ययन केंद्र प्रतापगढ़ में इग्नू की सत्रांत जून 2024 की परीक्षा चल रही है। परीक्षा के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र ने समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह एवं काउंसलर डॉ सी एन पांडे के साथ आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान केंद्र के कर्मचारियों द्वारा सभी छात्र-छात्राओं की सघन तलाशी ली गई जिसमें किसी भी प्रकार का मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लुटूथ, या अन्य कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के ऊपर विशेष ध्यान दिया गया। परीक्षा केंद्र के अधीक्षक डॉ अभिषेक सिंह ने बताया कि इग्नू की परीक्षाएँ 07 जून से शुरू हैं और 15 जुलाई तक दोनों पालियों में संचालित कराई जायेंगी। आज की परीक्षा में बीए, बीएससी, एमए, एमबीए, एमसीए और पीजी डिप्लोमा के छात्र सम्मिलित हुए। प्रथम सत्र में 23 छात्र उपस्थित हुए और 03 छात्र अनुपस्थित रहे। द्वितीय सत्र में भी 23 छात्र उपस्थित हुए और 15 छात्र अनुपस्थित रहे। इग्नू काउन्सेलर डॉ सी एन पांडेय ने बताया कि जून सत्र में प्रतापगढ़ केंद्र पर प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर और जौनपुर ज़िले के परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं।

इग्नू की सत्र परीक्षा का निरीक्षण करते एमडीपीजी के प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र

नौतपा की तरह सूर्य की गर्मी परेशान कर रही लोगों को

अखंड भारत संदेश

अधिकतम तापमान पहुंचा 45.2 डिग्री सेल्सियस

प्रतापगढ़। नौतपा की तरह सूर्य की गर्मी सीधे लोगों तक पहुंच रही है। नौतपा में प्रतापगढ़ का तापमान कई दिनों तक 46 डिग्री तक था और लोग बहुत परेशान थे। इस समय आज का अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री रिकार्ड किया गया।

यह तापमान दिन बदिन बढ़ रहा है। मंगलवार को तापमान 44.5 डिग्री, बुधवार को 45 डिग्री और गुरुवार को 45.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। लोगों का कहना है कि नौतपा की तरह सूर्य की सीधी किरण लोग बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग लापरवाही बरत रहे हैं, वह बीमार पड़ रहे हैं। वैसे बाहर निकलने वाले ज्यादातर लोग मुंह व सिर ढककर तथा आंख में चश्मा लगाकर निकलते हैं। कूलर और एसी का भी प्रभाव कम हो गया है। यह स्थिति अभी लगभग एक सप्ताह तक ऐसे ही बनी रहने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो आज का न्यूनतम तापमान 29 डिग्री और अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। बताया गया कि पुरवा हवा चल रही है। सूर्य की गर्मी का असर देर शाम तक बना रहता है।

जगन्नाथपुर सड़क पर गिट्टी छोड़कर ठेकेदार हुआ गायब

पीडब्ल्यूडी की लापरवाही बनी ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पीडब्ल्यूडी की लापरवाही ग्रामीणों की सुलभ यात्रा में अवरोधक बन रही है। महीनो पूर्व सड़क पर बोल्डर गिट्टी डालकर कार्यदाई संस्था नदारद हो गई। ग्रामीणों ने मामले की शिकायत जेई से कई बार की लेकिन आज तक कोई निदान नही हो सका है। जर्जर सड़क पर यात्रा करना गांव के लोगो की मजबूरी बन गई है।

विकास खंड लालगंज क्षेत्र स्थित रायपुर तियाई-रामपुर राजमार्ग से जगन्नाथपुर को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी से लगभग 1500 मीटर हुआ है। पीडब्ल्यूडी के नियमानुसार विभाग खुद की जर्जर सड़कों की मरम्मत कराता रहता है। उसी में एक सड़क जगन्नाथपुर की भी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क मरम्मत का कार्य कई माह से चल रहा है जो आज तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नही कराया जा सका है। कार्यदायी संस्था की मनमानी इस कदर है की वह सड़क पर शंकरगढ़ की गिट्टी को डालकर नदारद हो गया है। कई माह बाद भी ठेकेदार द्वारा निर्माणाधीन सड़क की सुध नही सप गई ।मनमानी को लेकर लोग मामले की शिकायत जेई से किए। ग्रामीणों का आरोप है कि अवर अभियंता तो ठेकेदार से भी लापरवाह निकले। समस्या के समाधान की जगह वह कार्यदाई संस्था की तरफदारी करने लगे। लापरवाह कार्यदाई संस्था सड़क पर शंकरगढ़ की गिट्टी डालकर इस कार्य को भूल गई।यहां तक कि मार्ग पर पड़ी गिट्टी पर रोलर तक नसीब नही हो सका है। ग्रामीणों का रातों दिन आना-जाना लगा रहता है।बोल्डर गिट्टी की वजह सेआए दिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे है। वहीं गांव के कुछ लोगो ने बताया कि इससे अच्छी तो पहले ही थी कम से कम लोग आ जा सकते थे, लेकिन आज लगभग कई महीनो से तो लोगो के लिए यह मार्ग किसी मुसीबत से कम नहीं है। इस समय के समाधान के लिए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया है।

जगन्नाथपुर की अधूरी पड़ी सड़क।

लू (हीट स्ट्रोक)/गर्म हवाओं से बचाव हेतु सावधानियां बरतेः आपदा विशेषज्ञ

आई0एम0डी0 द्वारा जनपद में भीषण गर्मी व लू को ओरेन्ज श्रेणी की दी गई चेतावनी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आपदा विशेषज्ञ जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण अनुपम शेखर तिवारी बताया है कि जनपद में आगामी दिवसों/दिनों में तापमान 40-42 डिग्री0 से0 से अधिक रहने के साथ-साथ आई0एम0डी0 द्वारा जारी चेतावनी के माध्यम से जनपद को ओरेन्ज श्रेणी प्रदान किया गया है जिसके माध्यम से दर्शाया गया है कि विगत 2 से 3 दिनों में हीटवेव/लू-प्रकोप की स्थिति रहने की सम्भावना है जिससे तापमान में वृद्धि होने के कारण हीटवेव (लू) बढ़ रहा है जिसमें आवश्यक सावधानियां रखी जानी चाहिये।

उन्होने लू (हीट स्ट्रोक)/गर्म हवाओं से बचाव हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया है। उन्होने हीट स्ट्रोक से बचाव के सम्बन्ध में बताया है कि प्रचार माध्यमों पर हीट वेव/लू की चेतावनी पर ध्यान दें, अधिक से अधिक पानी पिये यदि प्यास न लगी हो तब भी, हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें, धूप के चश्मे, छाता, टोपी व चप्पल का प्रयोग करें। अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाते का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोछे अथवा नहलायें तथा चिकित्सक से सम्पर्क करें। यात्रा करते समय पीने का पानी साथ ले जायें, ओ0आर0एस0, घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नीबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट क्रैम्प के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचानें। यदि मुर्छा या बीमारी अनुभव करते है तो तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें। अपने घर को ठण्डा रखें, पर्दे, दरवाजे आदि का उपयोग करें तथा शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल दें। पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें। कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखें/उपलब्ध करायें। कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करें, श्रमसाध्य कार्यो को ठण्डे समय में करने/कराने का प्रयास करें। घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृत्ति को बढ़ायें। गर्भस्थ महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिये। उन्होने बताया है कि जानवरों एवं बच्चो को कभी भी बन्द/खड़ी गाड़ियों में अकेला न छोड़े। दोपहर 12 से अपरान्ह 03 बजे के मध्य सूर्य की रोशनी में जाने से बचे। सूर्य के ताप से बचने के लिये जहां तक सम्भव हो घर के निचली मंजिल पर रहें। गहरे रंग के भारी तथा तंग कपड़े न पहनें। जब बाहर का तापमान अधिक तब श्रमसाध्य कार्य न करें। अधिक प्रोटीन तथा बासी एवं संक्रमित खाद्य एवं पेय पदार्थो का प्रयोग न करें। अल्कोहल, चाय व काफी पीने से परहेज करें। उन्होने हीट स्ट्रोक के लक्षण के सम्बन्ध में बताया है कि गर्म, लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उथले श्वास गति में तेजी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मितली, थकान और कमजोरी होना, चक्कर आना, मूत्र न होना अथवा इसमें कमी है। हीट स्ट्रोक लक्षणों के चलते मनुष्यों के शरीर में उच्च तापमान में शरीर के आंतरिक अंगो, विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुँचाता है तथा शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न करता है, मनुष्य के हृदय के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न होता है। जो लोग एक या दो घंटे से अधिक समय तक 40.6 डिग्री0से0 105 डिग्री एफ0 या अधिक तापमान अथवा गर्म हवा में रहते है तो उनके मस्तिष्क में क्षति होने की सम्भावना प्रबल हो जाती है। उन्होने बताया है कि विभिन्न स्थितियों में लू लगने की सम्भावना अधिक रहती है जैसे शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंसंस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह तथा ऐसी कुछ औषधियां जैसे डाययूरेटिक, एंटीस्टिामिनिक, मानसिक रोग की कुछ औषधियां है।

शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थी प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का उठाएं लाभ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राम करन दुबे ने बताया है कि गांव में उद्योग स्थापित कर स्वयं का रोजगार उत्पन्न करने एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहर की ओर शहरी पलायन को रोकने हेतु शासन की मंशा के अनुरूप उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना का संचालन किया जा रहा है। ऐसे शिक्षित बेरोजगार नवयुवक/परम्परागत कारीगर जो ग्रामीण एवं शहरी दोनो में से किसी एक जगह उद्योग स्थापित करना चाहते है उनको बैंकों के माध्यम से सेवा क्षेत्र हेतु 20 लाख रूपये एवं विनिर्माण इकाईयां हेतु अधिकतम 50 लाख रूपये तक की परियोजना लागत का ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य वर्ग को 25 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग (अनु0 जाति, अनु0 जनजाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक, विकलांग, भू0पू0 सैनिक एवं महिला) को 35 प्रतिशत अनुदान एवं शहरी क्षेत्रों में सामान्य वर्ग को 15 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग को 25 अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थी को प्रोजेक्ट कास्ट का 10 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाना अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र आनलाइन एजेन्सी लागिन केवीआईबी पर अपलोड कर सकते है। विशेष जानकारी के लिये कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड निकट रोबवेज बस स्टैण्ड सिविल लाइन प्रतापगढ़ में किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

राजीव आहूजा के निधन पर व्यापारियों ने शोक जताया

लम्बी बीमारी के चलते हुआ निधन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। व्यापारी राजीव आहूजा का लंबी बीमारी के चलते इलाज के दौरान बुधवार की रात निधन हो गया। उनके निधन पर व्यापारियों, नेताओं प्रबुद्धजनों, डाक्टरों और सामाजिक सस्थाओं ने शोक जताया है। उनके दहिलामऊ आवास पर शोक जताने वालों का सुबह से तांता लगा रहा। दोपहर में सई नदी के किनारे श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

राजीव आहूजा, व्यापारी नेता और सरस्वती शिशु मंदिर अजीत नगर के प्रबंधक और भारत विकास परिषद के पदाधिकारी संजीव आहूजा के बड़े भाई थे। पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। इलाज के लिए पीजीआई लखनऊ में भर्ती हुए थे। कल रात उनका निधन हो गया। उनकी शव यात्रा में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। व्यापार मंडल ने सभा कर शोक जताया है। इत्तफाक देखिए संजीव ही राजीव की देखभाल किया करते थे। पीजीआई उन्होंने ही भर्ती कराया। जब उनकी मौत हुई संजीव उनके साथ नहीं थे। उनके भी गले का दिल्ली में आपरेशन होना था। संयोग से गुरुवार को डाक्टर ने सर्जरी की डेट दे रखी थी। इस वजह से अंतिम समय पर भाई की अर्थी को कंधा नहीं दे पाए। हालांकि छोटे भाई आशीष आहूजा जो कि पेशे से डाक्टर हैं विदेश में रहते है। उनके ऊपर पूरी जिम्मेदारी है। वो और संजीव के शुभेच्छु सारा काम संभाल लिए हैं।

हाईकोर्ट के अधिवक्ता को मातृशोक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता यादवेंद्र पाण्डेय की माँ एवं सेवाश्रम इंटर कॉलेज ढिंढुई के प्रबंधक दामोदर प्रसाद पाण्डेय की धर्मपत्नी विमला देवी (82) का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी होने पर तमाम साथी अधिवक्ताओं व शुभचिंतकों ने एडवोट यादवेंद्र पाण्डेय के पैतृक आवास लखनीपुर पहुँचकर शोक जताया। इसी क्रम में राजर्षि टण्डन इंटर कॉलेज रामनगर (अठगवां) के प्रबंधक डॉ. अनूप कुमार पाण्डेय, रमेश चन्द्र सिंह, नागेश्वर नाथ शुक्ल, एडवोकेट आनन्द कुमार पाण्डेय, राम सहाय यादव, कृपा शंकर पाण्डेय, मनोज कुमार तिवारी व देवेन्द्र नाथ त्रिपाठी आदि ने दो मिनट का मौन रखकर शोक जताया और मृतात्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

विवाहिता को कमरे में बंद कर की मारपीट

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को सास ससुर ने कमरे में बंद कर मारा पीटा। पिता के साथ कोतवाली पहुंची विवाहिता ने थाने पर प्रार्थना पत्र दिया है। कोतवाली क्षेत्र के वासुदेव परदहा गांव की मोनी पुत्री रामनारायण ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसकी शादी वर्ष 2019 में कमलेश गौड़ पुत्र लाल जी के साथ हुई थी शादी में पिता ने हैसियत के मुताबिक दान दहेज दिया था। शादी के बाद पति रोजी-रोटी के लिए विदेश दुबई चला गया। वह अपने सास ससुर के साथ ससुराल में रहती है। आरोप है कि सास ससुर उसे अब प्रताड़ित कर रहे हैं तथा घर से भगा देना चाहते हैं। विवाहिता का आरोप है कि गुरुवार को उसे कमरे में बंद कर सास ससुर ने मारा पीटा। जिसकी जानकारी उसने अपने पिता को दी। मां और पिता उसकी ससुराल पहुंचे विवाहिता को लेकर माता-पिता पट्टी कोतवाली आए। पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

आज बेल्हा देवी घाटों की भी होगी सफाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बेल्हा देवी मंदिर के बगल बहने वाली सई नदी के किनारे बने घाटों की शुक्रवार को साफ-सफाई की जाएगी। यह जानकारी देते हुए सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि गंगा दशहरा के आयोजन के लिये वहां पर भी घाटों की सफाई की जाएगी और नदी में फैली गंदगी को भी साफ किया जाएगा।

बकरीद की नमाज के लिये ईदगाह की नगर पालिका ने की सफाई

ईओ ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बकरीद की नमाज के लिये ईदगाह की साफ-सफाई आज से शुरु कर दी गई है। जिलाधिकारी/प्रशासक नगर पालिका संजीव रंजन के निर्देश पर नगर पालिका के 100 कर्मचारी एक मैजिक और लोडर लेकर ईदगाह पहुंचे। वहां घास-फूस व पत्तों को इकट्ठा कर उसकी सफाई की गई। साफ-सफाई का निर्देशन संतोष कुमार सिंह तथा दो सफाई नायक कर रहे थे।सफाई व्यवस्था को देखने के लिये ईओ राम अचल कुरील भी पहुंचे थे। बता दें कि बकरीद के दिन सुबह बड़ी संख्या में लोग यहां नमाज अदा करने आते हैं। इसके लिये प्रशासन नगर पालिका से ईदगाह के मैदान में गंदगी साफ करवा रहा है। यह सफाई अभी आगे भी जारी रहेगी।

ईदगाह में साफ-सफाई करते सफाई कर्मचारी।

चोरी की कंकरीट मिक्सर मशीन बरामद, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 राजेश कुमार राय मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 319/2024 धारा 379 भादवि से सम्बन्धित चोरी की 01 कंकरीट मिक्सर मशीन के साथ तीन अभियुक्तों अच्छे मौर्या पुत्र लाल बहादुर मौर्या नि0ग्राम खदुरुआपुर थाना कोतवाली देहात, मो0 शमसाद पुत्र मो0 सईद नि0ग्राम खदुरुआपुर थाना कोतवाली देहात व मो0 अनीश उर्फ शेरु पुत्र मो0 सलीम नि0 सोनारी मोहल्ला सिटी चैकी थाना कोतवाली देहात जनपद प्रतापगढ़ को पीबी कालेज के पास बाग में स्थिति सीमेंट ईट बनाने वाले कारखाने के पास गिरफ्तार कर बरामद किया गया। अभियुक्त अच्छे मौर्या व मो0 शमसाद के पास 01-01 देशी नाजायज बम भी बरामद किया गया। उक्त बरामदगी के सम्बन्ध में अभियोग उपरोक्त में धारा 411 भादवि व 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की बढ़ोत्तरी की गयी।

मीटर रीडर की पिटाई के मामले में एसपी से की गई शिकायत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बिजली का बिल चेक करने गए मीटर रीडर को कुछ लोगों ने मारा पीटा। जाति सूचक शब्दों के साथ गालियां दी। मीटर रीडर संघ के लोगों ने एसपी से शिकायत की है। कंधई थाना क्षेत्र के धूती गांव निवासी दिलीप सरोज बिजली विभाग में मीटर रीडर के पद पर तैनात है। वह सोमवार की शाम तेरहमील स्टेट बैंक के बगल बिजली का बिल चेक करने गया हुआ था। आरोप है कि इस दौरान बनी गांव के कुछ लोग उसे जाति सूचक शब्दों के साथ गालियां देते हुए जमकर मारा पीटा। जिसकी जानकारी उसने अपने साथियों को दी। बिजली विभाग में कार्यरत मीटर रीडर संघ के लोग आक्रोषित हो गए।

मंगलवार को कई विद्युत कर्मी कंधई थाना पहुंचे। आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को पट्टी क्षेत्र सीओ से भी मुलाकात की कहीं भी न्याय न मिलने पर मीटर रीडर संघ के लोग जिला अध्यक्ष के साथ गुरुवार को एसपी प्रतापगढ़ से मुलाकात कर मामले में कार्रवाई की मांग की है। मीटर रीडर संघ के जिला अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने कहा कि यदि न्याय नहीं मिला तो उग्र आंदोलन के लिए हम मीटर रीडर संघ के लोग बाध्य होंगे।

एसपी से शिकायत करने पहुंचे मीटर संघ के लोग।

15 दिन पूर्व गाड़ी के साथ गायब हुए युवक का जमीन में गाड़ा हुआ मिला शव

चचेरे भाई ने रंजिशन की थी हत्या और शव को जमीन में दबा दिया था

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले के करारी थाना क्षेत्र में 15 दिन पूर्व गाड़ी सहित गायब युवक का शव मिलने से सनसनी मच गई,गायब युवक का पता लगाने के लिए परिजनो ने ग्रामीणों के साथ थाने का घेराव किया था,जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और एक युवक को उठाकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ, पुलिस ने सुराग लगाकर युवक के शव का पता लगाया और जमीन में गड़े हुए युवक के शव को बाहर निकलवाया। पुलिस की पूछताछ में मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि उसने अपने चचेरे भाई धर्मवीर की

आपसी रंजिश में हत्या कर शव को जमीन मे दबा दिया था, हत्यारे के घर के पीछे से जमीन से खोद कर शव को निकाला गया, पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और तीन युवको को हिरासत मे लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार चचेरे भाई और उसके दो अन्य साथियों के पास से गाड़ी का प्लेट नंबर व मोबाइल भी बरामद किया है,आरोपियों ने गाड़ी को काटकर डीजे बना दिया था,घटना की सूचना पर मौके पर एएसपी अशोक कुमार वर्मा व मंझनपुर सीओ सतेंद्र तिवारी भारी पुलिस बल के साथ पहुचे और संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के लिए करें आवेदन

कौशाम्बी। उ.प्र. माटी कला बोर्ड, लखनऊ द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजनान्तर्गत प्रदेश के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में माटीकला एवं शिल्पकला के उद्यमियों/ शिल्पियों एवं समितियों को मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अन्तर्गत अधिकतम 10 लाख तक के प्रोजेक्ट पर 95 प्रतिशत तक की धनराशि ऋण के रूप में बैंक द्वारा स्वीकृत की जायेंगी, प्रोजेक्ट लागत में कार्यशील पूंजी को छोड़कर पूंजीगत ऋण की धनराशि पर 25 प्रतिशत मार्जिन मनी के रूप में अनुदान दिया जायेंगा, एवं 5 प्रतिशत की धनराशि लाभार्थियों द्वारा स्वयं अंशदान के रूप में जमा की जायेंगी। यह जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी चन्द्र शेखर वर्मा ने देते हुए बताया कि योजना के लिए 18 वर्ष से 55 वर्ष तक के लाभार्थी ही पात्र होंगे एवं माटीकला के परम्परागत कारीगर एवं प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को वरीयता दी जायेंगी। साथ ही 05 लाख से अधिक परियोजना के वित्तपोषण के लिए लाभार्थियों की शैक्षिक योग्यता में आठवीं कक्षा में उर्तीण होना चाहिए। ऋण की सीमा अवधि (पूंजीगत ऋण एवं कार्यशील पूंजी) बैंक ऋण के रूप में 5 वर्ष के लिए देय होगी। आवेदन करने के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, विकास भवन कक्ष सं0-44 मंझनपुर से सम्पर्क किया जा सकता हैं।

पिता-पुत्र ने दलित पर किया प्राण घातक हमला

अखंड भारत संदेश

चायल कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के गिरिया खालसा गांव में मिलन गेस्ट हाउस के पास बुधवार की शाम लगभग 6:00 बजे पहले से घात लगाए दबंगों ने मनोज कुमार पासी उम्र 38 वर्ष पुत्र प्यारेलाल पासी पर जानलेवा हमला किया है लाठी कुल्हाड़ी से बेरहमी से पीटा गया है जिससे मनोज को गंभीर चोटे आई हैं हमले के वक्त मौके पर लोगों की भीड़ लग गई लेकिन किसी ने बीच बचाव करने का साहस नहीं किया है मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है मनोज पर हमले किए जाने की क्या वजह है खबर लिखे जाने तक यह जानकारी नहीं हो सकी है जानकारी के मुताबिक पिपरी थाना क्षेत्र के गिरिया खालसा गांव के निरंजन तिवारी पुत्र स्वर्गीय गौरी शंकर अपने बेटों पवन तिवारी वा बबलू तिवारी वा प्रशांत तिवारी के साथ बुधवार की शाम को बाजार से लौट रहे मनोज पासी पर

पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है

कुल्हाड़ी लाठी धारदार हथियार से प्राण घातक हमला कर दिया मनोज बचाव के लिए चीखता चिल्लाता रहा लेकिन कोई बीच बचाव करने नहीं आया मनोज को मरा समझ कर हमलावर छोड़कर भाग गए लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस व पुलिस ने घायल मनोज को सीएचसी अस्पताल चायल में भर्ती कराया हालत गम्भीर होने पर चिकित्सको ने घायल मनोज को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है हमलावरों की तलाश पुलिस कर रही है।

अनुप्रिया पटेल और जितिन प्रसाद को विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने दी बधाई

जितिन प्रसाद के राज्य मंत्री बनाए जाने पर उनके आवास पहुँचे मानिकपुर विधायक ने दोनों जिले के विकास की राखी बात

कौशांबी। जनपद के यमुना तराई क्षेत्र में जन्मे अविनाश चंद्र द्विवेदी वर्तमान में मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं एक जिले में जन्म तो दूसरे जिले में राजनीतिक क्षेत्र होने से उनका दोनों जिले के लोगों से गहरा रिश्ता है जिससे दोनों जिले के पीड़ितों की समस्याओं को वह हमेशा निस्तारित करने का प्रयास करते रहते हैं केंद्र में मंत्री बनाए जाने के बाद जितिन प्रसाद से मिलने उनके आवास अविनाश चंद्र द्विवेदी विधायक अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और दोनों जिले में विकास कराए जाने की बात रखी है अपना दल यश के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को तीसरी बार मिजार्पुर से सांसद चुने जाने पर भारत देश की सबसे बड़ी पंचायत पर मंत्री पद मिलने पर कौशांबी जनपद की तरफ से मानिकपुर के विधायक अविनाश चंद द्विवेदी ने अनुप्रिया पटेल को बधाई दी है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से सांसद बने जितिन प्रसाद को भी मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने बधाई दी है उन्होंने कहा कि जितिन प्रसाद अब तक उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री रहे केंद्र में राज्य मंत्री बनाए जाने पर कौशांबी जनपद से मानिकपुर के विधायक लव लश्कर के साथ उनके आवास पर मुलाकात कर बधाई दिया उन्होंने कहा कि मानिकपुर के ही नहीं कौशांबी के भी जनता के हर दुख दर्द में हमारा परिवार रहेगा हर संभव कोशिश रहेगी कि मैं यहां की हर समस्या को मंत्री जी के समक्ष रक्खूं जनता की समस्याओं का निदान कर सकू उन्होंने कहा कि मानिकपुर क्षेत्र तो मेरा विधानसभा ही है कौशांबी मेरा पारिवारिक रिश्ता है उन्होंने जितिन प्रसाद से कहां कि कौशांबी का भी ध्यान रखिएगा क्योंकि कौशांबी की जंग भूमि पर ही जन्म लिया हूं और मानिकपुर की जनता ने जो स्नेह दिया है मैं यही चाहता हूं कि आप बधाई संदेश हमारे दोनों जनपद से लेते हुए दोनों जनपद पर सदैव अपनी नजर बनाए रखें, इस मौके पर अपना दल के कई कार्यकर्ता व भाजपा के कई पदाधिकारी विकास द्विवेदी पिंटू, बंटी, श्यामू मिश्रा सुभाष सोनी मोहित चतुवेर्दी रमेश तिवारी उमेश पाल आकाश पाल मनोज मिश्रा आलोक तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

त्योहारों पर संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

गंगा दशहरा पर सभी गंगा स्नान घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई एवं गोताखोर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने ईदुज्जुहा (बकरीद) पर्व को सौहार्दपूर्ण सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों एवं सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी राजेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा उदयन सभागार में ईदुज्जुहा (बकरीद) पर्व को सौहार्दपूर्ण सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों एवं सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ शान्ति व्यवस्था की बैठक की गई।

बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से ईदुज्जुहा (बकरीद) पर्व को शान्तिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए अब तक गई कार्यवाही यथा-थानावार पीस कमेटी की बैठक एवं ड्यूटी लगाये जाने आदि की जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने सम्भ्रान्त नागरिकों से समस्याओ/सुझावों को प्राप्त करते हुए कहा कि ईदुज्जुहा (बकरीद) पर्व को आपसी सौहार्द एवं भाईचारा के साथ मनाया जाय। सम्भ्रान्त नागरिकों ने कहा कि त्यौहार को शान्तिपूर्ण एवं आपसी सौहार्द के साथ मनाया जायेंगा तथा कोई भी अप्रिय घटना नहीं होने दी जायेंगी।जिलाधिकारी ने ईदुज्जुहा (बकरीद) पर्व के दृष्टिगत सभी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं पर भी कोई समस्या आती है तो उसका तत्काल समाधान किया

जाय। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाय कि अनावश्यक विद्युत कटौती न हो तथा कहीं पर भी विद्युत फाल्ट होती है तो उसे तत्काल ठीक कराया जाय। उन्होंने अधिशासी अभियंता, जल निगम एवं अधिशासी अधिकारियों को पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं पर भी पेयजल से सम्बन्धित समस्या न होने पाये। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों एवं जिला पंचायतराज अधिकारी को क्षेत्र में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दियें। उन्होंने दिनांक 16 जून 2024 को गंगा दशहरा पर्व केदृष्टिगत सम्बन्धित अधिकारियों को जनपद के सभी गंगा स्नान घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई एवं गोताखोर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दियें।पुलिस अधीक्षक ने सम्भ्रान्त नागरिकों से कहा कि त्यौहार को आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाय। कोई भी गैर परम्परागत कार्य/ कार्यक्रम शुरू न किया जाय। उन्होंने थाना प्रभारियों से कहा कि जिन थानां पर पीस कमेटी की बैठक अभी तक नहीं हुई है, उन थानों में पीस कमेटी की बैठक कर लिया जाय तथा ईदगाह एवं मस्जिद का भ्रमण कर सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर लिया जाय। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को गंगा स्नान घाटों पर सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस की ड्यूटी लगाने के भी निर्देश दियें।

उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दियें। इस अवसर पर एडीएम अरूण कुमार गोंड, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ. सुषेन्द्र कुमार, सभी एसडीएम एवं क्षेत्राधिकारी गण सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं सम्भ्रान्त नागरिकगण उपस्थित रहे।

रेप पीड़िता व परिजनो से मिले सपा प्रतिनिधि मंडल ने दिया मदद का भरोसा

सपा नेताओ ने कहा भाजपा सरकार में बेटियो पर हो रहा अत्याचार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले में आरएसएस द्वारा संचालित स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा नाबालिग किशोरी के साथ रेप किए जाने एवम न्याय नहीं मिलने पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या किए जाने के प्रयास किए जाने की घटना के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर गुरुवार को सपा की 5 सदस्यीय टीम कौशाम्बी पहुंची,सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के साथ प्रतिनिधि मंडल ने पीड़िता एवम उनके परिजनो से मुलाकात की और उन्हे मदद का भरोसा दिया है।सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अगुवाई में राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज, सांसद पुष्पेंद्र सरोज, एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव एवं जिलाध्यक्ष

दयाशंकर यादव,प्रदेश सचिव कैलाश चंद्र केसरवानी सहित तमाम पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार बेटी बचाने का नारा लगाती है,वही हाथरस में,तमिलनाडु में और अब कौशाम्बी में बेटियो के साथ हुए अत्याचार पर कोई जवाब नही दे रहा है,उन्होंने कहा कि इस सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है।जिसके चलते पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है,समाजवादी पार्टी पीड़िता,मजलूमों के साथ खड़ी है और उनकी मदद के लिए सदैव तत्पर है।

विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर का किया जायेंगा आयोजन

कौशाम्बी विश्व रक्तदान दिवस दिनांक 14 जून 2024 के अवसर पर रक्त केन्द्र, संयुक्त जिला चिकित्सालय, मंझनपुर में समय 10 बजे से 02 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेंगा। यह जानकारी अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने देते हुए सर्व साधारण से अनुरोध किया है कि रक्त केन्द्र, संयुक्त जिला चिकित्सालय, मंझनपुर में उपस्थित होकर अपनी स्वेच्छा से रक्तदान कर सकतें है, जिससे आकस्मिकता की स्थिति में चिकित्सालय में भर्ती-गर्भवती महिलाओं, लावारिस मरीजों, कैदी एवं दुर्घटना से पीड़ित मरीजों एवं अन्य जरूरतमन्द को रक्त की उपलब्धता करायी जा सकें।

तीन मृतक व्यापारियों के वारिसों को दी गई दस दस लाख की सहायता

कौशांबी। मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के तहत जी०एस०टी० विभाग कौशाम्बी द्वारा मृतक आश्रितों को 10-10 लाख रु0 की सहायता धनराशि दी गई है। राज्य कर विभाग (जी०एस०टी) कौशाम्बी द्वारा मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत तीन व्यापारियों की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके वारिसों को 10 -10 लाख रु0 सहायता राशि उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से डिप्टी कमिश्नर राज्य कर कौशाम्बी राजेश कुमार मौर्या द्वारा प्रदान किया गया। फर्म अरनव एजेंसी पश्चिम शरीरा के प्रो० स्व० अंकुश केशरवानी की पत्नी श्रीमती राखी केशरवानी, फर्म महाशक्ति ट्रेडर्स अझुआ के प्रो० स्व० हर्ष कुमार के पिता श्री अवधेश कुमार तथा फर्म जगदम्बा मशीनरी स्टोर भरवारी के प्रो० स्व० मोहन लाल की पत्नी श्रीमती सुषमा देवी को 10-10 लाख रुपए की सहायता राशि का आदेश राज्य कर कार्यालय जनपद कौशाम्बी में डिप्टी कमिश्नर राजेश कुमार मौर्या द्वारा दिया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष प्रवेश केशरवानी, असिस्टेंट कमिश्नर राज्य कर योगेश बोहरे, राज्य कर अधिकारी चन्द्रदेव अग्रहरी व एडवोकेट अरूण केशरवानी आदि उपस्थित रहे हैं।

न्यूज झरोखा

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग हजारों का सामान हुआ खाक, बाल बाल बचा कुनबा मौके पर पुलिस और लेखपाल भी पहुंचे

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के एक गांव में अचानक गुरुवार को सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने से हजारों का सामान खाक हो गया है।ग्राम महेन्द्र में चांदका प्रसाद पुत्र भैरव प्रसाद के घर में आग लग जाने से हजारों का सामान जल गया है , जो एक भूमिहीन मजदूर व्यक्ति है। यह हादसा तब हुआ जब उसका कुनबा सुबह किसी के खेत में पिपरमिंट कटवा रहा था कि तभी जो बिजली का मीटर है वही से कुछ चिंगारी निकली और देखते ही देखते भयावह रूप ले लिया जब तक घर वाले को जानकारी हुई तब तक काफी देर हो चुकी थी , आग के लपटों को देखकर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए और आग पर काबू पाने में सफल हो गए , लेकिन उसका हजारों का नुकसान होने का अनुमान बताया जा रहा है। जानकारी मिलने पर मौके पर स्थानीय पुलिस प्रशासन पहुंच गई थी बाद में जब जानकारी क्षेत्रीय लेखपाल को हुई तो उन्होंने ने भी मौका मुआयना किया तथा अपनी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दिया है।अब देखना यह है कि क्या उस गरीब कुनबे को आर्थिक सहायता मिलेगी या उसका परिवार भुखमरी के कगार पर आ जाएगा। फिलहाल चांदका प्रसाद ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आर्थिक मदद को गुहार लगाई है।

अवैध खनन ओवरलोडिंग वाहनों के विरूद्ध नियमित रूप से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी राजेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा उदयन सभागार में अवैध खनन/परिवहन एवं ओवरलोडिंग वाहनों के विरूद्ध प्रभावी नियन्त्रण स्थापित करने के सम्बन्ध में गठित जिला स्तरीय खनन टॉस्कफोर्स की बैठक की गई। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों, खनन अधिकारी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को संयुक्त रूप से अवैध खनन/ओवरलोडिंग वाहनों के विरूद्ध नियमित रूप से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को खनन पट्टा क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दियें बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार वर्मा, सभी उप जिलाधिकारीगण एवं क्षेत्राधिकारीगण सहित सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहें।

आवारा घोड़े से टकराई पत्रकार की कार पत्रकार घायल

कौशांबी। प्रयागराज से वापस अपने घर अझुवा लौट रहे पत्रकार संतलाल मौर्य की कार कोखराज थाना के पास आवारा घोड़े से टकरा गई है जिससे आवारा घोड़े की मौत हो गई है पत्रकार संतलाल मौर्या घायल हो गए हैं उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई है सूचना पर मौके पर तमाम पत्रकार पहुंचे हैं जानकारी के मुताबिक अखंड भारत संदेश समाचार पत्र के पत्रकार अझुवा निवासी संतलाल मौर्य कार से प्रयागराज जनपद किसी काम से गए थे वापस लौटते समय देव प्रयाग फैमिली रेस्टोरेंट कोखराज के सामने सड़क किनारे घोड़ा घास चर रहा था लेकिन घोड़ा अचानक तेजगति से सड़क पर आ गया और पत्रकार की कार से टकरा गया जिससे घोड़े की मौके पर मौत हो गई है और कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। संतलाल मौर्य पत्रकार भी दुर्घटना में घायल हो गए हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर तमाम पत्रकारों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना की जानकारी थाना प्रभारी को देते हुए पत्रकार संतलाल मौर्य को इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया जहां पर उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया है हालांकि हालात ठीक है ज्यादा गंभीर नहीं है।

नगर पंचायत पश्चिम शरीरा के सभासदों ने घेरा एडीएम दफ्तर

अखंड भारत संदेश

ईओ पर लगाया काम न सुनने का आरोप

कौशाम्बी। नगर पंचायत पूरब पश्चिम शरीरा के डेढ़ दर्जन सभासदो ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित एडीएम दफ्तर का घेराव किया। सभासदो ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत के अध्यक्ष व ईओ उनके वार्ड मे विकास के कार्य मे रुचि नहीं लेते। सवाल करने पर अधिकारी और कर्मचारी कोई जवाब नहीं देते। ऐसे मे उन्होंने एडीएम को ज्ञापन सौंप कर ईओ पर कार्यवाई किए जाने की मांग की है। नगर पंचायत पूरब पश्चिम शरीरा मे इन दिनो सभासदो के वार्डो में विकास कार्यों की सुनवाई अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी नहीं कर रहे है। इस बात से नाराज सभासदो ने दोनों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। डेढ़ दर्जन सभासदो ने मंझनपुर के कलेक्ट्रेट दफ्तर मे एडीएम का घेराव किया। सभासदो का आरोप है कि नगर पंचायत कर्मी व अधिकारी उनकी बात को सुनकर अनसुना कर देते है। क्षेत्र के विकास के लिए अध्यक्ष नगर पंचायत सभागार मे बैठक नहीं करते है। केवल कोरम पूरा करने के लिए कार्यवाही के रजिस्टर पर साइन करा लिया जाता है। किसी भी विकास के योजना की जानकारी मांगने पर अधिकारी कर्मचारी सीधे मुंह सभासद से बात करने को तैयार नहीं होते। सभासद अजीत रैना ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र की पूरब शरीरा इलाके की हालत इतनी खराब है। नालियां जाम पड़ी है, समय-समय पर सफाई नहीं हो रही। नगर पंचायत के ठेकेदार इस कदर मनबढ़ है कि वह पूरी नगर पंचायत पर कब्जा कर रखे हुए हैं। ठेकेदार के इशारे पर ही अध्यक्ष एवं ईओ लोगों के काम करते हैं। पंचायत क्षेत्र के कर्मचारी तानाशाही रवैया अपनाते हैं। जिसके कारण सभासद अपने क्षेत्र के विकास की बात उनसे नहीं कर सकते। सभासदों ने आरोप लगाया कि मृत्यु प्रमाण पत्र या जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में कर्मचारी आम जनमानस से रुपए की मांग करते हैं, और उन्हें महीने भर दफ्तर के चक्कर लगवाते हैं। नगर पंचायत क्षेत्र में फैली इन्हीं अवस्थाओं को लेकर एडीएम को एक ज्ञापन सौंपा गया है। यदि समय रहते अधिशासी अधिकारी पश्चिम शरीरा पर कार्रवाई न की गई तो सभासद गण सामूहिक इस्तीफा देकर अपना विरोध जताएंगे।

इलाके की हजारों बालिकाएं शिक्षा से आज भी वंचित : अजय सोनी

सिराथू ब्लॉक के गांव गंभीरा पूर्व में बालिका इंटर कालेज खोलने की अजय सोनी ने की मांग

कौशाम्बी। इलाके के दर्जनों गांव के बीच बालिका विद्यालय न होने से इलाके की हजारो बालिकाएं शिक्षा से वंचित रह जाती है कई बार बालिका विद्यालय खोले जाने की मांग किए जाने के बाद भी बालिका विद्यालय नहीं खोला गया है समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने सिराथू ब्लॉक के गांव गंभीरा पूर्व में बालिका इंटर कालेज खोले जाने की मांग की है। इस बाबत अजय सोनी ने बताया कि पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक कौशांबी संतोष मिश्रा को एक ज्ञापन भी मेरे द्वारा दिया था जिसमे ग्राम गंभीरा पूर्व में बालिका इंटर कालेज खोले जाने की मांग की गई थी। साथ ही वर्तमान जिला विद्यालय निरीक्षक सच्चिदानंद यादव से भी भेंट कर यह मांग मेरे द्वारा की जा चुकी हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अजय सोनी ने बताया कि जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार से सिराथू ब्लॉक के ग्राम गंभीरा पूर्व में बालिका इंटर कालेज खोले जाने की मांग पूर्व में मेरे द्वारा की गई है। आगे बताया कि पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष मिश्रा ने सर्वे कराने का आश्वासन भी दिया था। अजय सोनी के मुताबिक विभागीय मानक के आधार पर भी गांव गभीरा पूर्व ठीक बैठता है क्योंकि आसपास के सभी बालिका इंटर कालेज जैसे सिराथू, अफजलपुरवारी एवं मंझनपुर से गांव गंभीरा पूर्व की दूरी 9 किमी से अधिक है जो कि विभागीय मानक के अनुरूप है। इस संबंध में अजय सोनी ने बताया कि गंभीरा पूर्व गांव के आसपास कोई बालिका इंटर कालेज न होने के कारण बालिकाओं को माध्यमिक शिक्षा के लिए भारी दिक्कत होती है जिसके कारण उन्हें माध्यमिक शिक्षा से वंचित रह जाना पड़ता है और उनका करियर खराब होता है।

संपादक की कलम से

रक्तदान कर जीवन रक्षा का पुण्य कमाएं

जीवन में हर किसी को कभी न कभी परिजनों, रिश्तेदारों, दोस्तों या पड़ोसियों के लिए विशेष परिस्थितियों में रक्त (ब्लड) की आवश्यकता पड़ती ही है। कई बार हमें जरूरत के मुताबिक समय से सुरक्षित रक्त मिल जाता है तो कई बार समय से रक्त मिलने में मुश्किल का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मरीज की जान तक बचाना मुश्किल हो जाता है। इसी मुश्किल को आसान बनाने के लिए हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है।

विश्व रक्तदाता दिवस को मनाने का मूल मकसद लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है ताकि किसी भी मुसीबत में फंसे अपने ही नहीं पराये को भी समय से सुरक्षित रक्त मिल सके और उनके प्राणों की रक्षा की जा सके। रक्तदान को महादान भी कहा जाता है क्योंकि यही एक ऐसी चीज है जिसे किसी भी लैब में या किसी अन्य तरीके से तैयार नहीं किया जा सकता है। इसलिए आज इस दिवस पर प्रण लेने की जरूरत है कि हम समय-समय पर रक्तदान कर महादानी बनने का गौरव हासिल करेंगे। इसके साथ ही आज उन महादानियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने और सम्मान करने का भी दिन है जिनके दान की बदौलत हर साल न जाने कितने लोगों के प्राणों की रक्षा की जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस साल विश्व रक्तदाता दिवस की थीम है- ह्लदान का उत्सव मनाने के 20 साल : रक्तदाताओं को धन्यवाद ह्ल

18 से 65 साल का कोई भी पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति रक्तदाता बन सकता है। रक्तदाता की कुछ जरूरी जांच भी की जाती है ताकि ब्लड बैंक तक किसी तरह से संक्रमित रक्त न पहुँचने पाए, इसीलिए हाल ही में टैटू बनवाने वालों व बीमार व्यक्तियों के रक्त लेने से भी परहेज किया जाता है ताकि रक्त की शुद्धता बरकरार रखी जा सके। वयस्क स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में 4.5 लीटर से पाँच लीटर रक्त होता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति एक बार में 300 से 450 मिली लीटर रक्त दान कर सकता है, जिसकी भरपाई शरीर 24 से 48 घंटे में खुद कर लेती है। तीन माह के अन्तराल पर दोबारा रक्तदान किया जा सकता है। रक्त के अलग-अलग समूह होते हैं, जिनमें कुछ अति दुर्लभ किस्म के होते हैं, जिनके रक्तदाताओं की पहचान कर उनसे बराबर सम्पर्क में रहने की जरूरत होती है ताकि किसी विषम परिस्थिति में उनसे सम्पर्क कर रक्तदान की अपील की जा सके।

दुर्घटनाओं में घायलों, गर्भवती, सर्जिकल वाले मरीजों, थैलेसीमिया, कैंसर, एनीमिया आदि स्थितियों में मरीज के लिए रक्त की जरूरत अस्पतालों को आये दिन रहती है। ऐसे में सुरक्षित और पर्याप्त रक्त का संग्रह चुनौतीपूर्ण होता है, जिसे रक्तदाता के जरिये ही पूर्ण किया जा सकता है। इसलिए रक्तदान से जुड़ीं भ्रांतियों और गलतफहमियों को दूर करने के साथ खुद रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित किया जाना चाहिए। तो आइये हम सभी मिलकर आज इस पुनीत दिवस पर प्रण लें कि हम लोगों की जान बचाने के लिए खुद रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने के साथ ही स्वस्थ स्वास्थ्य परम्परा का भी निर्वहन करेंगे। इसके साथ ही हमें यह भी हमेशा ध्यान रखना है कि सुरक्षित रक्त जीवन बचाता है, इसलिए जब भी-जहाँ भी जरूरत होगी रक्तदान जरूर करेंगे और ब्लड बैंक को खाली होने से बचाएंगे।

रक्तदान से किसी तरह की कमजोरी नहीं आती बल्कि दिल की सेहत में सुधार के साथ ही दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को आसानी से कम किया जा सकता है। खून में आयरन की अधिक मात्रा दिल के दौरे के जोखिम को बढ़ा सकती है, जबकि नियमित रक्तदान से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है, जो दिल की सेहत के लिए अच्छा है। रक्तदान व्यक्ति की जान को तो बचाता ही है साथ ही उनसे जुड़े परिवारजनों की आशाओं को भी जीवित रखता है, क्योंकि यह किसी भी रक्तदाता को पता नहीं होता कि उसके द्वारा दान किया गया रक्त कितने जरूरतमंद व्यक्तियों को मिल रहा है। एक यूनिट रक्त चार व्यक्तियों की जान बचा सकता है, क्योंकि इसके अलग-अलग अवयव श्वेत व लाल रक्त कोशिकाएं, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा अलग-अलग लोगों के काम आ सकता है। इसलिए इससे ज्यादा पुण्य का कार्य और कोई नहीं हो सकता। खासकर गर्भवती को प्रसव के समय अतिरिक्त रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसी स्थिति में गर्भवती के साथ ही गर्भस्थ शिशु को सुरक्षित बनाने में एक-एक रक्तदाता महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसी ही आपात स्थितियों में रक्त की आपूर्ति बरकरार रखने के लिए लोगों को रक्तदान के लिए सहर्ष आगे आना चाहिए। जन्मदिन, शादी की सालगिरह, संस्थान के स्थापना दिवस जैसे खुशी के अवसरों पर भी रक्तदान कर दूसरों को नायाब तोहफा दे सकते हैं। ज्ञात हो कि विश्व रक्तदाता दिवस कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिन 14 जून 1868 की सालगिरह पर हर साल मनाया जाता है। कार्ल लैंडस्टीनर को एबीओ रक्त समूह प्रणाली की खोज के लिए नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

ज्यादातर भारतीय मानते हैं एआई से बढ़ेगी आर्थिक वृद्धि दर : रिपोर्ट

करीब 89 प्रतिशत भारतीय मानते हैं कि टेक्नोलॉजी (एआई सहित) के जरिए पारंपरिक और आर्थिक तौर पर पिछड़े लोगों को अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा सकता है। एक रिपोर्ट में बुधवार को ये दावा किया गया।

पर्सनल कंप्यूटर और प्रिंटर बनाने वाली कंपनी एचपी की ओर से कहा गया कि वैश्विक स्तर पर 76 प्रतिशत बिजनेस और सरकारी लीडर्स का मानना है कि एआई सामाजिक उद्देश्यों को हासिल करने में उनकी मदद कर सकता है।

एचपी फाउंडेशन में सोशल इम्पैक्ट के प्रमुख और निदेशक, मिशेल मालेज्की ने कहा कि हम जानते हैं कि टेक्नोलॉजी विकास दर को आगे बढ़ाने के लिए एक काफी शक्तिशाली टूल है। हालांकि, अभी हमें तेजी से बदलती दुनिया में डिजिटल डिवाइड को कम करना बाकी है। हमें लोगों को टेक्नोलॉजी इस्तेमाल करने की स्किल सिखानी होगी।

एचपी की ओर से कहा गया कि हम एआई ट्रेनिंग को अपने एचपी लाइफ प्रोग्राम से जोड़ेंगे। भारत सहित वैश्विक स्तर पर एचपी, डिजिटल बिजनेस स्किल इनिशिएटिव के तहत एआई ट्रेनिंग स्किल निशुल्क उपलब्ध कराता है।

एचपी की ओर से कहा गया कि वे जल्द ही भारत में अगली पीढ़ी के एआई पीसी पेश करेंगे।

एचपी ने कहा कि उसका उद्देश्य 27.5 लाख यूजर्स को 2030 तक एचपी लाइफ फ्री स्किल- बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत जोड़ना है। एचपी फाउंडेशन की ओर से ये कार्यक्रम चलाया जाता है।

2016 से एचपी की ओर से इस प्रोग्राम को चलाया जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अब तक इसमें 12 लाख यूजर्स जुड़ चुके हैं। इसकी मदद से लोगों को जॉब और व्यापार शुरू करने की स्किल द जाती है।

महाराज और शिवराज पर भरोसे का मतलब

@ राकेश अचल

केंद्रीय हिन्दू मंत्रिमंडल में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व केंद्रीय मंत्रीय ज्योतिरादित्य सिंधिया को शामिल करने के पीछे क्या वजह ये जानने में लोगों की बड़ी दिलचस्पी है। भाजपा के इन दो हंसों की जोड़ी 2018 के विधान सभा चुनाव में आमने-सामने थी। तब महाराज यानि ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में हुआ करते थे और चौहान मप्र के मुख्यमंत्री थे। इस चुनाव में भाजपा ने माफ करो महाराज, हमारे नेता शिवराज का नारा दिया था और कांग्रेस की और से माफ करो शिवराज, हमारे नेता महाराज का नारा उछला और कामयाब भी हुआ था । शिवराज सत्ताच्युत हो गए थे, लेकिन महाराज अपनी पार्टी के सत्ता में आने के बाद भी मुख्यमंत्री नहीं बन पाए थे।

मप्र की इस जोड़ी ने ही 2020 में फिर कमाल किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस से बगावत कर कांग्रेस की सरकार गिरा दी। मुख्यमंत्री कमलनाथ को पदच्युत कराकर अपने अपमान का बदला लिया और एक बार फिर शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनवा दी थी। 2020 से ही ये जोड़ी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी की नजरों में चढ़ी हुई थी। 2023 के विधानसभा चुनाव में भी इस जोड़ी ने हाड़तोड़ मेहनत कर मप्र में भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाकर भाजपा की सरकार बनवाई। ज्योतिरादित्य सिंधिया को तो 2020 के करतब के लिए पुरस्कार के रूप में राज्य सभा की सदस्यता और केंद्रीय मंत्री मंडल में स्थान मिल गया था, किन्तु शिवराज सिंह को कोई इनाम-इकराम नहीं मिला था। उलटे उनके स्थान पर मोहन यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर चौहान को अपमानित जरूर किया गया था भाजपा की और से।

शिवराज सिंह मंजे हुए खिलाडी निकले। उन्होंने अपमान का कड़वा घूँट बिना ना-नुकुर के पी लिया। नतीजा ये हुआ कि 2024 के आम चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ चौहान को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल गयी। ज्योतिरादित्य सिंधिया को तो मंत्री बनना ही था क्योंकि वे प्रधानमंत्री के गांव-गौड़े के नाते दामाद लगते हैं, लेकिन शिवराज सिंह चौहान को उनकी योग्यता और मौन साधना की वजह से मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। एक समय उनका नाम मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में भी सुर्खियों में आया, लेकिन वे शायद अभी इस लायक नहीं बन पाए हैं।

प्रधानमंत्री ने केंद्र में बैशाखी सरकार का गठन करने के फौरन बाद अपने मंत्रिमंडल में सिंधिया और चौहान को एक खास मकसद से जगह दी है। इन दोनों को मंत्रिमंडल में लिए जाने से जातीय संतुलन बना या नहीं ये भी हम नहीं जानते। हम ये जानते हैं कि मोदी जी के पूर्व मंत्रिमंडल के नाकाम कृषिमंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की वजह से मोदी जी और उनकी पार्टी को किसान आंदोलन के दौरान जो फजीहत झेलना पड़ी उसे देखते हुए ही शिवराज सिंह चौहान को नया कृषि मंत्री बनाया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी मध्यप्रदेश से ही थे। वे किसान आंदोलन को ढंग से हैंडिल नहीं कर पाए थे। दरअसल तोमर यानि ग्वालियर के मुन्ना भैया, मौन सिंह साबित हुए थे। वे न किसानों को मना पाए और न किसान यूनियनों को। उन्हें किसान

संगठनों से संवाद स्थापित करने में भी कोई कामयाबी नहीं मिली। उलटे सरकार के माथे पर 700 किसानों की हत्या का दाग और लग गया था। विवादास्पद कानून वापस लेने पड़े थे सो अलग।

देश के किसान अभी भी आंदोलित है। किसान आंदोलन किसी भी समय भड़क सकता है। किसान आंदोलन का खमियाजा भाजपा ने आम चुनावों में भी उठाया। ऐसे में वाचाल, मिलनसार और किसानों से सीधा रिश्ता कायम करने में समर्थ शिवराज सिंह चौहान को चुना गया। हालाँकि मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान के ऊपर भी मंदसौर गोलीकांड का दाग लगा हुआ है। बहरहाल अब शिवराज सिंह को आपने आपको एक बार फिर प्रमाणित करना है। उनके पास एक मुख्यमंत्री के रूप में 18 साल से जयादा समय का अनुभव है, जो प्रधामंत्री जी के अनुभव से भी कहीं ज्यादा है। अब आइये महाराज यानि ज्योतिरादित्य सिंधिया की बात करते हैं। सिंधिया के डीएनए में संघ, भाजपा और कांग्रेस के गुण समाहित हैं। सिंधिया की दादी राजमाता विजयाराजे सिंधिया पहले कांग्रेसी, फिर जनसंघी और अंत में भाजपा में रहीं। सिंधिया के पिता माधवराव सिंधिया पहले जनसंघ में फिर कांग्रेस में रहे। खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजनीति में अहला कदम कांग्रेस के माध्यम से रखा और 20 साल तक कनग्रेस में मान-सम्मान पाने के बाद अपमान मिलते ही कांग्रेस से किनारा कार भाजपा की सदस्यता ले ली। सिंधिया को मंत्रिमंडल में शामिल करने के पीछे उनका गुजरात से रिश्ता होने के साथ ही उनकी कर्मठता और ईमानदारी भी मानी जाती है।

मेरे अपने सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने बहुत सोच-विचार के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया को संचार मंत्रालय के साथ ही पूर्वोत्तर के विकास की जिम्मेदारी दी है। सिंधिया को संचार मंत्रालय देने के पीछे मकसद आने वाले दिनों में होने वाले 5जी इसप्रेक्टम की नीलामी भी है। आपको याद होगा कि इसी देश में कांग्रेस की सरकार के जमाने में अब तक का सबसे बड़ा 2 जी घोटाला हुआ था। इस घोटले में कांग्रेस के सहयोगी द्रमुक के नेता और मंत्री शामिल होने के आरोप लगे थे। तत्कालीन संचार मंत्री ऐ राजा को तो पंद्रह महीने जेल में भी काटना पड़े थे। हालाँकि राजा बाद में बरी हो गए थे। मोदी जी नहीं चाहते की 5 जी स्प्रेकटुम के आवंटन में कोई घोटाला हो इसलिए सिंधिया को इसकी जिम्मेदारी दी गयी।

केंद्रीय मंत्री मंडल में फिलहाल सिंधिया अकेले ऐसे मंत्री हैं जिनका दामन पाक-साफ दिखाई देता है। उनके पिता के साथ तो नैतिकता का भी तमगा जुड़ा था। उन्होंने एक मामूली सी हवाई दुर्घटना के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पीव्ही नरसिम्हाराव को अपना त्यागपत्र सौंप दिया था। हवाला कांड में नाम आने के बाद कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से भी निकाल दिया था, लेकिन उन्होंने उफ तक नहीं की और एक निर्दलीय के रूप में लोकसभा चुनाव जितने के बाद वे फिर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। वे चाहते तो भाजपा में भी जा सकते थे, लेकिन उन्होंने फिर भी ऐसा नहीं किया।

मौजूदा सरकार को पूर्वोत्तर में जड़ें जमाने के लिए एक उत्साहीलाल की जरूरत थी। इस कसौटी पर ज्योतिरादित्य सिंधिया खरे उतरे इसीलिए उन्हें संचार मंत्रालय के साथ पूर्वोत्तर मामलों की भी जिम्मेदारी दी गयी। पूर्वोत्तर में मणिपुर सबसे ज्वलंत मुद्दा है। मणिपुर के मामले में संघ और भाजपा ही नहीं खुद मोदी जी नाकाम साबित हुए हैं। मणिपुर अभी भी जल रहा है। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने भी फिर एक बार मणिपुर को लेकर नयी सरकार को आगाह किया है। पूर्वोत्तर में हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षित कामयाबी नहीं मिली है। अब देखना ये है कि नए कृषि मंत्री और नए संचार मंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया कितने कामयाब हो पाते हैं ? इन दोनों नेताओं की कामयाबी ही इनके बच्चों की कामयाबी कि लिए दरवाजे खोलेगी। चौहान और सिंधिया कि बेटे राजनीयति में पदार्पण कि लिए कमर कसकर तैयार हैं।

'इंडिया' की आंखों से भारत को मत देखिए !-भारतीयता को नए संदर्भों में व्याख्यायित करना जरूरी

-प्रो. संजय द्विवेदी

आजकल राष्ट्रीयता,भारतीयता, राष्ट्रत्व और राष्ट्रवाद जैसे शब्द चर्चा और बहस के केंद्र में है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम भारतीयता पर एक नई दृष्टि से सोचें और जानें कि आखिर यह क्या है? ह्यराष्ट्रह्ल सामान्य तौर पर सिर्फ भौगोलिक नहीं बल्कि ह्यभूगोल-संस्कृति-लोगह्ल के तीन तत्वों से बनने वाली इकाई है। इन तीन तत्वों से बने राष्ट्र में आखिर सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन सा है? जाहिर तौर पर वह ह्यलोगह्ल ही होगें। इसलिए लोगों की बेहतरी,भलाई, मानवता का स्पंदन ही किसी राष्ट्रीयता का सबसे प्रमुख तत्व होना चाहिए।

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानने हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है। यही वैश्विक अचेतन (कलेक्टिव अनकांशेसनेस) हम-सबके एक होने का कारण है। स्वामी विवेकानंद इसी बात को कहते थे कि इस अर्थ में भारत एक जड़ भौगोलिक इकाई नहीं है। बल्कि वह एक चेतन भौगोलिक इकाई है, जो सीमाओं और सैन्य बलों पर ही केंद्रित नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद मनुष्य के विस्तार व विकास पर केंद्रित है। जिसे भारत ने ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल कहकर संबोधित किया। यह ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल राजनीतिक सत्ता का उच्चार नहीं है। उपनिषद् का उच्चार है। सारी दुनिया के लोग एक परिवार, एक कुटुम्ब के हैं, इसे समझना ही दरअसल भारतबोध को समझना है। यह भाव ही मनुष्य की सांस्कृतिक एकता के विस्तार का प्रतीक है। हमारे सांस्कृतिक मूल्य, मानवतावादी सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित हैं। हमारी भारतीय अवधारणा में राज्य निर्मित भौगोलिक-प्रशासनिक इकाईयां प्रमुख स्थान नहीं रखतीं बल्कि हमारी चेतना, संस्कृति, मूल्य आधारित जीवन और परंपराएं ही यहां हमें राष्ट्र बनाती हैं। हमारे सांस्कृतिक इतिहास की ओर देखें तो आर्यावर्त की सीमाएं कहां से कहां तक विस्तृत हैं, जबकि सच यह है कि इस पूरे भूगोल पर राज्य बहुत से थे, राजा अनेक थे- किंतु हमारा सांस्कृतिक अवचेतन हमें एक राष्ट्र का अनुभव करता था। एक ऐतिहासिक सत्य यह भी यह है कि हमारा राष्ट्रीयता दरअसल राज्य संचालित नहीं था, वह समाज और बौद्धिक चेतना से संपन्न संतों, ऋषियों द्वारा संचालित थी। एक विद्वान कहते हैं राजा राज्य बनाते हैं, राष्ट्र ऋषि बनाते हैं। वही भारतबोध इस व्यापक भूगोल की चेतना में समाया हुआ था। यहां का ज्ञान विस्तार जिस तरह चारों दिशाओं में हुआ,वह बात हैरत में डालती है। आप देखें तो भगवान बुद्ध पूरी दुनिया में अपने संदेश को यूं ही नहीं फैला पाए, बल्कि उस ज्ञान में एक ऐसा नवाचार,नवचेतन था, जिसे दुनिया ने स्वतः आगे बढ़कर ग्रहण किया। भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है। सच कहें तो दुनिया की तमाम स्थितियों से भारत एक अलग स्थिति इसलिए पाता है, क्योंकि यह भूमि संतों के लिए, ज्ञानियों के लिए उर्वर भूमि है। दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी है, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है। यहां का मनुष्य सांस्कृतिक एकता के लिए तो खड़ा होता है पर विचारों में जड़ता आते ही उससे अलग हो जाता है। हमारा ईश्वर आंतरिक उन्नयन और पाप क्षय के लिए काम करता है। हमारे संत भी आध्यात्मिक उन्नयन और पापों के क्षय के लिए काम करते हैं। मनुष्य की चेतना का आत्मिक विस्तार ही हमारी राष्ट्रीयता का लक्ष्य है। इसलिए यह सिर्फ एक खास भूगोल, एक खास विचारधारा और पूजा पध्दति में बंधे लोगों के उद्धार के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता की मुक्ति के काम करने वाला विचार है। यहां मानव की मुक्ति ही उसका लक्ष्य है। यह राष्ट्रीयता सैन्यबल और व्यापार बल से चालित नहीं है, बल्कि यह चेतना के विस्तार, उसके व्यापक भावबोध और मनुष्य मात्र की मुक्ति के विचार से अनुप्राणित है। भारतीय संदर्भ में भारतबोध को समझना वास्तव में मानवतावाद के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझना है। यह विचार कहता है- ह्ल संतों को सीकरी से क्या कामह्ल और फिर कहता है कोई नृप होय हमें क्या हानिह्ल। इस मायने में हम राज या राज्य पर निर्भर रहने वाले समाज नहीं थे। राजा या राज्य एक व्यवस्था थी, किंतु जीवन मुक्त था-मूल्यों पर आधारित था। पूरी सांस्कृतिक परंपरा में समाज ज्यादा ताकतवर था और स्वाभिमान के साथ उदार मानवतावाद और एकात्म मानवदर्शन पर आधारित जीवन जीता था।

अंतरात्मा के बाद भटकती आत्मा का श्राप

@ राकेश अचल

सनातन परम्परा में आत्मा और परमात्मा के साथ ही सात जन्मों की मान्यता है। भारत में रहने वाले ज्यादातर सनातनी आत्मा और परमात्मा में विश्वास रखते हैं। कारण श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि -

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः । न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः। अर्थात इस आत्मा को शस्त्र काट नहीं सकते हैं और अग्नि इसे जला नहीं सकती है । जल इसे गीला नहीं कर सकता है और वायु इसे सुखा नहीं सकती है। आत्मा के बारे में ये ज्ञान हमारे देश में पढ़े-लिखों के साथ ही अनपढ़ों को भी है लेकिन राजनेताओं को नहीं है। इसीलिए वे आत्माओं का अपमान करने से नहीं चूकते। आम चुनावों के दौरान देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी ने देश के सबसे बुजुर्ग नेता एनसीपी के अध्यक्ष श्री शरद पंवार को भटकती आत्मा कहकर उनका मन ही नहीं बल्कि उनकी आत्मा को भी दुखाया। शरद पंवार हालाँकि देश के प्रधानमंत्री नहीं बन पाए लेकिन उनकी सियासी यात्रा के सामने माननीय मोदी जी अबोध शिशु जैसे ही हैं। उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि वे जिस पंवार को भटकती आत्मा कह रहे हैं वही भटकती आत्मा एक दिन उन्हें न सिर्फ श्राप देगी बल्कि चुनौती भी देगी। पंवार ने सोमवार को अहमदनगर में अपनी पार्टी की रजत जयंती के मौके पर आयोजित रैली में मोदी जी को इंगित करते हुए कहा कि- ये भटकती आत्मा उन्हें [मोदी जी को] हमेशा परेशान करती रहेगी। शरद जी मानते हैं कि आत्मा अजर-अमर होती है। आपको बता दूँ कि शरद पवार की पार्टी ने 10 सीटों पर चुनाव लड़कर आठ सीटें जीती हैं। अपने भाषण के दौरान पवार ने मोदी पर तीखा हमला बोला तथा कहा कि -अब उनके पास लोगों का समर्थन नहीं है। पंवार ने कहा, क्या उनके पास देश का जनादेश है? चुनाव परिणाम स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि मोदी के पास बहुमत नहीं है और उन्होंने टीडीपी और जेडीयू का समर्थन लेकर सरकार बनाई है।

चुनावों में आप अक्सर आत्मा और अंतरात्मा की बातें सुनते आये है। श्रीमती इंदिरा गाँधी ने एक बार राष्ट्रपति चुनाव में अन्तरात्मा का आव्हान किया था। तब से राजनीति में अंतरात्मा, आत्मा और भटकती आत्मा चलन में आ गयीं। हकीकत तो ये है कि आज की राजनीति में नेताओं के पास आत्मा और अंतरात्मा जैसी कोई चीज बची नहीं है। उनका महात्मा होना तो असम्भव है। किन्तु आत्मा अजर-अमर होती है इसलिए जिस्म के भीतर किसी न किसी कोने में जिंदा रहती है। जब मौका मिलता है तो चौका मारती है। हमारी नानी जी कहतीं थीं कि आत्मा भले ही अजर-अमर है

लेकिन है तो जिंदा, इसलिए कभी खुश होती है, कभी कलपती है। कभी मौन हो जाती है। इसलिए दुनिया में किसी की आत्मा को दुखाना नहीं चाहिए। लेकिन राजनीति में जब तक आप प्रतिद्वंदी की आत्मा को दुखा नहीं लेते आपको सुख नहीं मिलता।

आत्मा सूक्ष्म है, नजर नहीं आती। जो आत्मा , परमात्मा से सम्पर्क स्थापित कर लेती है उसे महात्मा कहते है। कम से कम मोहन दास करमचंद गाँधी को तो इस देश में महात्मा कहा और माना जाता है। ये बात और है कि इस महात्मा को भी इस देश के राष्ट्रभक्तों ने गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें लगा होगा कि गांधी महात्मा से पिंड छूटा लेकिन हकीकत में ऐसा हुआ नहीं। हत्यारों के वारिसों को भी संविधान की शपथ लेने के बाद महात्मा गाँधी की समाधि पर सर झुकाना ही पड़ता है। महात्मा के आगे दुरात्माएं हों या साधारण आत्माएं अपने आप नतमस्तक हो जातीं हैं। उनके बारे में ये भ्रम फैलाया जाता है कि उन्हें रिचर्ड एटनबरो कि फिल्म बनने के बाद ही दुनिया ने पहचाना।

महात्मा गाँधी की आत्मा को मारने वालों के वंशजों ने माननीय शरद पंवार साहब की आत्मा को गोलियों से तो छलनी नहीं किया किन्तु शब्दभेदी वाण ऐसे चलाये कि उनकी आत्मा विदीर्ण हो गयी। घायल मनुष्य हो, आत्मा हो, अंतरात्मा हो महात्मा हो या परमात्मा हो, आह तो भरता है। पंवार साहब इसका प्रमाण हैं। उन्होंने अंततः महामना मोदी जी को कह ही दिया कि उनकी भटकती आत्मा भविष्य में भी उनका पीछा नहीं छोड़ने वाली। मोदी जी के लिए ये शुभ संकेत नहीं है। क्योंकि मोदी जी अपने तीसरे कार्यकाल में अपने पहले और दुसरे कार्यकाल के मुकाबले क्षीण हैं, उन्हें जेडीयू और टीडीपी की बैशाखियों का सहारा लेना पड़ा है। उन्हें सहारा देने वालों में शरद पंवार के भतीजे अजित पंवार भी हैं लेकिन उनकी क्या औकात महाराष्ट्र कि सियासत में है ये उनके ही चाचा यानि शरद पंवार की भटकती आत्मा ने बता दिया है।

आत्मा को लेकर विभिन्न धर्मों में मतान्तर तो हैं किन्तु सब मानते हैं कि आत्माएं होती है। वे कभी-कभी भटक भी जाती है। अतृप्त भी रह जातीं है। इस्लाम वाले आत्मा को रूह कहते हैं। मुसलमानों कि पवित्र पुस्तक कुरआन कहती है कि -अल्लाह उनकी मृत्यु के समय आत्माओं को ले जाता है, और जो नहीं मरते उनकी नींद के दौरान। फिर वह उन लोगों को रखता है जिनके लिए उसने मौत का फैसला किया है और दूसरों को एक निश्चित अवधि के लिए रिहा कर देता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ हैं जो विचार करते हैं..[कुरान 39:४२]। जैनी आत्मा को जीव यानि चेतना कहते है। यहूदी तथा ईसाइयों के लिए आत्मा के अलग मायने हैं चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स सिखाता है कि आत्मा और शरीर मिलकर मनुष्य की आत्मा (मानव जाति) का निर्माण करते हैं। "आत्मा और शरीर मनुष्य की आत्मा हैं।"

मित्रो चूंकि मै एक साधारण व्यक्ति हूँ इसलिए आत्मा, परमात्मा और महात्मा के अलावा भटकती आत्माओं के बारे में उतना ही जानता हूँ जितना कि एक सामान्य आदमी जानता है। हमारे यहां बचपन से आत्मा-परमात्मा की बात होती रहती है। महात्माओं को तो हमने देखा भी है । कुछ भिक्षाटन करते हैं और कुछ मठों में बैठकर ऐश करते हैं। अब मनुष्यों की तरह आत्माओं की भी तो किस्मत होती ही होगी। यदि न होती तो एक चाय बेचने वाले का लड़का देश का प्रधानमंत्री कैसे होता और एक शाहजादा अपने परनाना, नानी और पिता के प्रधानमंत्री होने के बाद भी प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन पाता?

आय-जाति-निवास एक हफ्ते में दें: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने राजस्व कार्यों की समीक्षा में उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि रियल टाइम, स्वामित्व योजना, खतौनी, खसरा के जो भी कार्य शेष हैं, जल्द बनाकर भेजें। खरीफ व रबी फसली खतौनी को ऑनलाइन करायें।

बुधवार को देर शाम कैम्प कार्यालय में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अंश निर्धारण में सुधार करायें। उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि नक्शा संशोधन के कार्य पूरा करायें। धारा 116 के तहत लम्बित वादों बाबत जल्द खत्म करायें। उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम को निर्देश दिये कि न्यायालय में प्रतिदिन सुनवाई करें। सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि तीन से पांच वर्ष से अधिक केस जल्द समाप्त करायें। धारा 80 के तहत जनता को कोई परेशानी न हो, कोई मामले लम्बित न रहें। धारा 67 के तहत जितने भी मामले हैं इसी वर्ष समाप्त करायें। धारा 24 बाबत कहा कि सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार जो मामले हैं जल्द समाप्त करायें। वरासत बाबत डीएम ने कहा कि जो भी लम्बित हैं, लेखपाल व आरआई से समाप्त करायें। किसी को परेशान नहीं करना है। आय, जाति, निवास लम्बित नहीं रहनी चाहिए। एक हफ्ते में निस्तारण करें। हीट स्ट्रोक बाबत कहा कि सभी का भुगतान होना चाहिए। तहसीलदारों को निर्देश दिये कि सबकी जिम्मेदारी तय करें, कोई फाइल नहीं रुकनी चाहिए। मुख्यमंत्री की समीक्षा होने वाली है, सभी राजस्व कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व नायक तहसीलदार डाटा तैयार करें। राजस्व कार्यों में तेजी लायें। अधिक से अधिक कोर्ट में बैठे, मुकदमों का निस्तारण करायें।

इस मौके पर एडीएम एफआर उमेश चंद्र निगम, एसडीएम कर्वी सौरभ यादव, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ राकेश कुमार पाठक समेत तहसीलदार, नायक तहसीलदार मौजूद रहे।

बैठक में निर्देश देते डीएम।

नये कानूनों का पुलिस कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में थानों में नियुक्त विवेचक व सीसीटीएनएस का कार्य देखने वाले पुलिस कर्मियों को एक जुलाई से लागू होने वाले भारतीय न्याय संहिता 2023 व भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की धाराओं बाबत प्रशिक्षित किया।

गुरुवार को प्रशिक्षण दौरान प्रभारी सोशल मीडिया सेल निरीक्षक निशिकांत राय, प्रभारी सीसीटीएनस प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश उपाध्याय व अन्य विवेचक, कम्प्यूटर ऑपरेटर मनीष कुमार मौजूद रहे। सभी लोगों को नये कानूनों के लागू होने बाबत प्रशिक्षित किया। कहा कि एक जुलाई से नये कानून लागू हो रहे हैं। नये कानूनों के अनुसार कार्य करें, ताकि अदालतों में दिक्कत न हो।

पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक।

पत्थर गडी उखाडने वालों पर करायें रिपोर्ट: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने संतुष्टि समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष में जिलाधिकारी ने शासन की मंशानुसार समस्याओं का समय व गुणवत्ता से निस्तारण के मद्देनजर संतुष्टि समाधान दिवस में जनता दर्शन में आये फरियादियों से मिलकर समस्यायें सुनी। मौके पर ही सम्बन्धित अधिकारियों को दूरभाष पर समय से समस्या निस्तारण के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने पत्थर गड़ी बाबत कहा कि संबंधित तहसीलदार मौके पर जाकर देखें व पत्थर उखाड़ने वाले पर रिपोर्ट दर्ज करायें। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन में आये पत्रों का निस्तारण तत्काल समय से व संतुष्टिपूर्ण होना चाहिए। संतुष्टि समाधान दिवस में अपर उप जिलाधिकारी मो जसीम अहमद मौजूद रहे।

फरियादियों को सुनते डीएम।

पद्म विभूषण उपाधि को दें आवेदन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला सूचना अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि विगत वर्षों की भांति गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्म श्री की उपाधियां भारत सरकार देगी। 2025 को भारत सरकार से उपाधियां लेने को ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। गुरुवार को उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान व प्रोद्योगिकी, व्यापार-उद्योग, चिकित्सा, साहित्य व शिक्षा, सिविल सेवा, खेल व अन्य में विशिष्ट व उत्कृष्ट, योगदान व सेवा बाबत संस्तुतियां राज्य सरकार से ऑनलाइन भारत सरकार को भेजी जानी है। इन क्षेत्रों के महानुभाव दो प्रतियों में वांछित संलग्नकों समेत पांच अगस्त तक जिला सूचना कार्यालय में दे दें।

कोनिया गांव में जल भराव से ग्रामीणों को दिक्कत

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। मऊ ब्लाक के कोनिया गांव में समुचित जल निकासी न होने से गांव की गलियों में जल भराव से प्रदूषण फैल रहा है। लोग बीमार हो रहे हैं। आवागमन में ग्रामीणों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। गुरुवार को प्रधान-सचिव गांव में फैली गंदगी को दूर करने के प्रयास नहीं कर रही। गांव के लोग संबंधित अधिकारियों के ऑफिसों के चक्कर लगाकर थक चुके हैं। लोगों ने बताया कि कोई सुनवाई नहीं हो रही। इस बाबत गांव के लोगों ने मऊ-मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी को शिकायती पत्र सौंपकर समस्या निदान की मांग की है। गांव के लोगों ने बताया कि विकास के नाम पर लाखों रुपए खर्च हो रहे हैं। कहां खर्च हो रहे हैं, किसी को पता नहीं है। प्रधान-सचिव की करस्तानी का नमूना गांव की बजबजाती नालियों में गोते लगा रही हैं। संबंधित गांव में विकास के नाम पर सरकारी धन का जमकर बंटरबांट हो रहा है।

जल भराव दिखाता ग्रामीण।

सचिव ने प्रधान की मोहर-हस्ताक्षर कर किया फर्जी भुगतान

मऊ/चित्रकूट। मऊ ब्लाक के सखौंहा गांव के ग्राम विकास अधिकारी अनूप कुमार मिश्रा ने गौशाला के भूसा भुगतान में प्रधान के साथ जालसाजी की है। गौशाला में भूसा भुगतान के नाम पर सचिव अनूप कुमार मिश्रा ने चहेते शिवम ट्रेडर्स के नाम 21 हजार का चेक में प्रधान के फर्जी मोहर व हस्ताक्षर कर भुगतान किया है। गुरुवार को सचिव की इस हरकत का खुलासा हुआ। बताया गया कि प्रधान ने एक सप्ताह से अधिक समय पहले सीडीओ अमृतपाल कौर को लिखे पत्र में सचिव अनूप कुमार मिश्रा की पोल खोली थी। प्रधान ने कहा कि भुगतान शंकरलाल ट्रेडर्स के नाम होना था। जानबूझकर सरकारी धन का बंदरबांट करने को शिवम ट्रेडर्स के नाम भुगतान किया है। जिला विकास अधिकारी व खंड विकास अधिकारी मऊ रामजी मिश्रा ने सीडीओ पर जांच को दबाने का ताना-बाना बुना था।

नीति आयोग से मिले सात करोड़ से करायें विकास कार्य: डीएम

नीति आयोग से हुए कार्यों की हुई समीक्षा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने नीति आयोग के धन से जिले में हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक में कहा कि सात करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। तीन करोड से आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण, 65 लाख 30 हजार से 48 प्राइमरी स्कूलों में फर्नीचर, 18 लाख 15 हजार से जिला अस्पताल में तीमारदारों को वेटिंग हाल, 31 लाख से अभ्युदय कोचिंग को लेक्चर हाल, 98 लाख से इंटर कॉलेज में फर्नीचर, बाउंड्री, परीक्षा उपकरण, आधारभूत संरचना सुधार, 56 लाख से स्वास्थ्य केंद्रों की मरम्मत, सभी ब्लाकों पर लाइब्रेरी, 40 आंगनबाड़ी केंद्र, पिछले वर्ष नीति आयोग ने सभी ब्लॉकों में लाइब्रेरी व नगर क्षेत्र की आठ प्राथमिक विद्यालयों का रेनोवेट के कार्य कराये थे।

बुधवार को देर शाम कलेक्ट्रेट्ड सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने डीपीओ को निर्देश दिये कि आंगनबाड़ी केंद्रों के जमीन विवाद एसडीएम से मिलकर हल करायें। एक्सईएन आवास विकास बांदा को निर्देश दिये कि जिन प्राथमिक स्कूलों में जीर्णोधार हो रहा है, टीवी, फर्नीचर, विंडो के कार्य जल्द पूरे करायें। लाइब्रेरी बाबत कहा कि कार्य पूरा हो गया है, उसे जिला विद्यालय निरीक्षक को हैंडओवर करायें। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना से जिले का विकास करायें। जो कार्य अधूरे हैं, जल्द शासन की मंशानुसार गुणवत्ता से करायें। जिले में हो रहे निर्माण कार्य में अभ्युदय कोचिंग को लेक्चर हाल, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, चेकडैम आदि बिंदुओं पर चर्चा की।

बैठक में सीडीओ श्रीमती अमृतपाल कौर, एडीएम श्रीमती वंदिता श्रीवास्तव, सीबीओ सुभाष चंद्र, अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजदीप वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, बीएसए लव प्रकाश यादव आदि मौजूद रहे।

एक लाख हुआ शादी अनुदान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सुनहरी लाल ने बताया कि प्रमुख सचिव उप्र शासन ने गरीब पुत्रियों की शादी अनुदान की आय सीमा शहरी क्षेत्र में 56460 रुपये व ग्रामीण क्षेत्र में 46080 रुपये के स्थान पर शहरी क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्र में एक लाख रुपये की मंजूरी दी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले के पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोडकर आवेदकों से कहा कि अपनी पुत्री की शादी की तिथि एक अप्रैल 2024 के बाद कर ली है तो जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये तक हो, वे आवेदन कर शादी तिथि से 90 दिन पहले अथवा 90 दिन बाद शादी अनुदान ले सकते हैं।

राम वनगमन मार्ग भूमि अधिग्रहण करें जल्द, डीएम ने की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने राष्ट्रीय मार्ग संख्या 731 ए राम वनगमन मार्ग पैकेज- 5 के लिए भूमि अधिग्रहण प्रगति बाबत समीक्षा बैठक में राम वनगमन मार्ग 49.7 किमी से आच्छादित है। राम वनगमन मार्ग में 32 गांव आयेंगे।

गुरुवार को कैम्प कार्यालय में जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जहां पर अधिक किसान हैं, वहां तालमेल से भूमि अधिग्रहण करें। किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। अधिग्रहण धनराशि वितरण बाबत जानकारी ली। कहा कि समय से वितरण करायें। किसी प्रकार की शिकायत नहीं होनी चाहिए। एक्सईएन एनएच प्रयागराज को निर्देश दिये कि भवन, नलकूप, वृक्ष की आख्या का मूल्यांकन जल्द करायें। राम वनगमन मार्ग में आ रहे वन संरक्षित भूमि बाबत कहा कि भूमि वन विभाग के बदले टाइगर रिजर्व के आसपास की जमीन दी जाये। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जो कार्य दिये हैं, समय से पूरा करायें। बैठक में एडीएम एफआर उमेश चंद्र निगम, एसडीएम मानिकपुर पंकज वर्मा, डीएफओ नरेंद्र सिंह, एक्सईएन एनएच प्रयागराज आरपी सिंह आदि मौजूद रहे।

विधवा पेंशन को खाते में लिंक करायें केवाईसी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा में बताया कि निदेशालय महिला कल्याण के निर्देश पर निराश्रित महिला पेंशन 2024-25 की प्रथम तिमाही का भुगतान जून से किया जाना है। पति की मृत्यु बाद निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत लाभ लेने वाले लाभार्थियों को सूचित किया है कि बैंक खातों में आधार लिंक, केवाईसी व एनपीसीआई अपडेट नहीं है तो सभी लाभार्थी बैंक में जाकर खाते में आधार लिंक, केवाईसी व एनपीसीआई अपडेट करवा लें, ताकि 2024-25 की प्रथम तिमाही किस्त लाभार्थियों को मिल सके।

मप्र क्षेत्र जंगल में दलदल मे फंसा शावक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। यूपी-एमपी क्षेत्र के तराई जंगल में जानवरों को पीने को पानी नहीं मिल रहा। जंगल के अंदर मौजूद जलाशयों के सूखने से हाहाकार है। जिम्मेदारों ने पानी के कोई इंतजाम नहीं किये।

गुरुवार को जंगलों में पानी की व्यवस्था न करने का खुलासा हुआ। बताया गया कि पानी की तलाश में जलाशय पहुंचा बाघ का शावक दलदल मे फंस गया। दलदल मे दो घंटे तक शावक फंसा रहा। जोर की आवाज के बाद लोगों को जानकारी हुई तो ग्रामीणों की मदद से शावक को दलदल से बाहर निकाला गया। चलने-फिरने मे असमर्थ शावक का इलाज जारी है। मुकुंदपुर जू के डॉ राजेश तोमर की टीम शावक का इलाज कर रही है। शावक अर्द्धबेहोशी दशा में है। मौके पर वन मंडलाधिकारी सतना विपिन पटेल, उप वन मंडलाधिकारी चित्रकूट अभिषेक तिवारी मौके पर मौजूद हैं। ग्रामीणों की सूचना के बाद टीम मौके पर पहुंची थी। जंगलों में आये दिन जंगली जानवरों के दलदल मे फंसने की घटनायें हो रही हैं। जलाशयों के आसपास शिकारी भी डेरा डाले है। रानीपुर पानी की तलाश में शावक पहुंचा था। रानीपुर टाइगर रिजर्व विकसित करने को सरकार गंभीर दिख रही है। वन्यजीवों की सुरक्षा को जिम्मेदार लापरवाही बरत रहे हैं। यही हाल रहा तो वन्यजीवों की जान कैसे बचेगी।

ग्रामीणों की सूचना पर निकाला बाहर

टाइगर रिजर्व क्षेत्र से सटे मप्र के मझगवां जंगल में चितहरा बांध मे

भीषण गर्मी से बचाव को एडीएम ने बताये उपाय

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम ने बताया कि जिले में बढ रहे तापमान के मद्देनजर पारा 43 डिग्री से अधिक होने से मौसम विभाग ने 17 जून तक भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू के प्रकोप से बचाव को जनता से अपील की है। गुरुवार को एडीएम ने कहा कि सभी लोग कड़ी धूप में खासतौर से पूर्वान्ह 11 बजे से शाम चार बजे तक के बीच बाहर जाने से बचें। संबंधित विभागों को जिलाधिकारी ने निर्देश दिये हैं। भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू से बचाव को खिडकी रिफ्लेक्टर एलुमिनियम पन्नी, गत्ते आदि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी अन्दर न जा सके। खिडकियां-दरवाजे में जिनसे दोपहर को गर्म हवायें आतीं हैं, काले पर्दे लगायें। मौसम के पूर्वानुमान को सुनें। तापमान में होने वाले बदलाव के प्रति सजग रहें। आपात स्थिति से निपटने को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों व पालतू जानवरों को बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक संभव हो, घर में ही रहें। सूर्य के ताप से बचें। घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन लें। बासी खाने का प्रयोग न करें। मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें।

झुलसे युवक को ले जाते लोग।

पराली की आग से युवक झुलसा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के बहादुरपुर गांव में जल रही पराली की चपेट में बाइक चालक हीरालाल बहादुरपुर आ गया। गम्भीर रूप से झुलसने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ये हादसा गुरुवार को अपरान्ह दो बजे हुआ। बताया गया कि खेत की पगडंडी में पराली जल रही थी। पराली की आग की चपेट में बाइक चालक हीरालाल बहादुरपुर आ गया। बुरी तरह झुलसने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने दस फीसदी आग से जलने पर प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया। पराली की आग गांव की ओर बढ़ते देखकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। ये घटना बेड़ीपुलिया से सूरजकुंड रोड किनारे मड़वा में हुई।

अपहरण वांछित दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को चैकी प्रभारी सीतापुर गौरव तिवारी ने अपहरण के वांछित मोहित पुत्र विजय जोशी रामायण मेला सीतापुर को गिरफ्तार किया। टीम में चैकी प्रभारी सीतापुर गौरव तिवारी, सिपाही अतुल सिंह परिहार व अभिषेक प्रताप सिंह शामिल रहे।

अस्पताल स्टाफ ने पीड़ित से मांगे पांच सौ रुपये

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सोनेपुर जिला अस्पताल में इलाज करवाने गये युवक से जांच के नाम पर अस्पताल स्टाफ ने रुपये मांगे। पीड़ित ने सीएमएस से शिकायत की है। गुरुवार को ये मामला सामने आया। बताया गया कि सोनपुर जिला अस्पताल में संजय कुमार पुत्र रामसवारे निवासी धौरहाई पुरवा इटवां थाना रैपुरा अपरान्ह एक बजे सीने में दर्द होने पर इलाज कराने को जिला अस्पताल गये। वहां डॉक्टर ने बीपी की जांच को कहा। पीड़ित जांच करवाने कमरा नंबर 12 में पहुंचा तो मौजूद स्टाफ ने जांच के नाम पर पीड़ित से पांच सौ रुपये मांगे। पीड़ित ने स्टाफ को पांच सौ रुपये दे कर रसीद मांगी। इस पर स्टाफ के लोग भड़क गये। इसे लेकर पीड़ित ने सीएमएस से लिखित शिकायत कर स्टाफ पर कार्रवाई की मांग की है।

चार थानों के थानाध्यक्षों को एसपी ने किया इधर से उधर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले की कानून व्यवस्था को और मजबूत करने की गरज से पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने चार थानों के थानाध्यक्षों को बदला है। इससे दलालों में खलबली मच गई है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था को और मजबूत करने की गरज से मानिकपुर में नये कोतवाल विनोद कुमार कुमार शुक्ला होंगे। यहां से श्रीमती रीता सिंह को पहाड़ी थानाध्यक्ष बनाकर भेजा है। रैपुरा थाने के नये प्रभारी निरीक्षक श्याम प्रताप पटेल होंगे। निरीक्षक शिव आसरे मारकुंडी थाना प्रभारी होंगे। उपनिरीक्षक मनीष कुमार पहाडी थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाये गये हैं। उपनिरीक्षक शैलेंद्र चंद्र पांडेय रैपुरा से मारकुण्डी थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाये गये हैं। इस फेर-बदल से अभी तक थानों में दलाली कर रहे लोगों में खलबली मची है।

लाल सागर में मर्चेंट शिप पर हमला, चालक दल का सदस्य लापता

अदन (यमन)। यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में एक मर्चेंट शिप पर दो बार हमला किया गया, जिसमें चालक दल का एक सदस्य लापता हो गया है। यमन और समुद्री अधिकारियों ने ये जानकारी दी।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया, तटरक्षक बलों के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि ग्रीक स्वामित्व वाले बल्क कैरियर पर होदेइदाह के दक्षिण-पश्चिम में लगभग 67.7 समुद्री मील की दूरी पर हमला किया गया। विस्फोटकों से लदी एक नाव में विस्फोट किया गया, जिससे शिप का मुख्य हिस्सा टूट गया और उसमें पानी भर गया।

अधिकारी ने बताया कि जहाज पर सवार 21 लोगों में से एक लापता हो गया है।

अधिकारी ने कहा, "शिप में पानी भर रहा है और यह डूब रहा है।" उन्होंने कहा कि हमले के तुरंत बाद कॉल कर इसकी जानकारी दी गई।

इस बीच, यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने पुष्टि की है कि उसे होदेइदाह के पास हुई घटना की जानकारी मिली है। साथ ही उसने यह भी कहा कि कैप्टेन ने बताया कि जहाज में पानी भर रहा है और अब वह कंट्रोल से बाहर हो गया है।

इसके बाद शिप पर दोबारा हमला किया गया।

होदेइदाह क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले हौथी समूह ने फिलहाल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

हौथी समूह ने हाल के महीनों में लाल सागर में मर्चेंट शिप पर कई हमले किए हैं।

पिछले साल नवंबर से, हौथी समूह ने गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लाल सागर से गुजरने वाले इजरायल से जुड़े जहाजों पर मिसाइलों और ड्रोन से कई हमले किए हैं।

जवाब में, क्षेत्र में तैनात अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन ने हौथी समूह को रोकने के लिए जनवरी से ही उसके ठिकानों पर मिसाइल से हमले किए हैं, लेकिन इससे हौथी हमलों में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि इसका और विस्तार हुआ है। हौथी समूह अब अमेरिकी और ब्रिटिश मर्चेंट शिप को भी निशाना बना रहा है।

हूती विद्रोहियों ने यमन अदन की खाड़ी में पोत पर हमला किया

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में गुरुवार को कथित रूप से एक पोत पर मिसाइल से हमला किया जिससे जहाज पर आग लग गई। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड मारीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि यह हमला यमन के अपतटीय क्षेत्र में अदन की खाड़ी में हुआ। उसने कहा कि हमले के बाद पोत में आग लग गई। निजी सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने कहा कि व्यापारिक जहाज ने परेशानी में होने की सूचना देते हुए कहा कि उसपर एक मिसाइल से हमला हुआ है। एम्ब्रे ने कहा कि पोत मलेशिया से इटली के वेनिस जा रहा था। हूती बागियों ने बृहस्पतिवार के हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि देखा गया है कि वे हमले की जिम्मेदारी लेने में कुछ समय लेते हैं।

एलन मस्क पर फिर लगे यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप

सैन फ्रांसिस्को। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क पर एक बार फिर यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को मस्क पर एक इंटर्न समेत अपने दो कर्मचारियों के साथ यौन संबंध बनाने और अपना बच्चे पैदा करने के लिए एक अन्य कर्मचारी से संपर्क करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट के अनुसार मस्क ने टेस्ला और स्पेसएक्स में महिला कर्मचारियों के लिए माहौल प्रतिकूल हो गया है और वे स्वयं को असहज महसूस कर रही हैं। टेस्ला की महिला कर्मचारियों ने दावा किया है कि मस्क उन्हें अजीब नजरों से देखते थे। स्पेसएक्स की एक फ्लाइट अटेंडेंट ने आरोप लगाया कि टेक अरबपति ने 2016 में सेक्स के बदले उसके लिए घोड़ा खरीदने की पेशकश की थी इससे पहले 2013 में स्पेसएक्स छोड़ने वाली एक पूर्व महिला कर्मचारी ने दावा किया कि मस्क ने उनसे बार-बार अपने बच्चे पैदा करने के लिए कहा था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्पेसएक्स में काम करने वाली एक महिला को मस्क की ओर से रात में अपने घर आने के लिए बार-बार आमंत्रित किया गया था। यह पहली बार नहीं है, जब मस्क के खिलाफ आरोप लगे हैं। उन पर पहले नियमित रूप से कोकीन और केटामाइन जैसे ड्रग्स का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इस बीच, मस्क ने आइफोन और अन्य एपल उपकरणों में चैटजीपीटी के इंटीग्रेशन को लेकर अपनी सभी कंपनियों में आइफोन पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है।

कांगो में नौका पलटने से 80 से अधिक लोगों की मौत, राष्ट्रपति ने की पुष्टि

किंशासा। कांगो की राजधानी किंशासा के पास एक नदी में नाव पलट जाने से उसपर सवार 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इसकी पुष्टि कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी ने एक बयान में इस घटना पर दुख जताया है। मध्य अफ्रीका देश में क्षमता से अधिक लोगों को बैठाने से नौका दुर्घटनाएं होती हैं। एक बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया है कि सोमवार देर रात माई-नडोम्बे प्रांत में क्वा नदी में नाव पलट गई। बयान के मुताबिक, नौका पर 100 से ज्यादा लोग सवार थे।

कुवैत अग्निकांड: सामने आई आग लगने की वजह, इमारत में रहते थे 160 से ज्यादा मजदूर, कई जिंदा जले -

दुबई: कुवैत में एक रिहायशी इमारत में आग लगने से 49 लोगों की मौत हो गई. मृतकों में 40 भारतीय कामगार बताए जा रहे हैं, जो तमिलनाडु और केरल के रहने वाले थे. हालांकि अभी शवों की पहचान नहीं हुई है. वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भयावह घटना के बाद दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक की और भारतीयों की स्थिति का जायजा लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे पहले 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर एक चिकन में आग लगी और तेजी से फैल गई. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि किचन में रखे सिलेंडर में विस्फोट हो गया था।,

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी, जानिए ग्लोबल साउथ के लिए क्यों महत्वपूर्ण ?

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को इस साल के ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के लिए रवाना होंगे. ऐसे में आज की दुनिया में बहुपक्षवाद में भारत की भूमिका और वैश्विक दक्षिण की आवाज को बढ़ावा देने का महत्व फिर से ध्यान में आता है. लोकसभा चुनावों के मद्देनजर तीसरी बार पदभार संभालने के बाद मोदी की यह पहली विदेश यात्रा होगी. यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत को ऋ20 की अध्यक्षता मिले एक साल से भी कम समय हुआ है.

2019 के बाद से यह ऋ7 शिखर सम्मेलन में मोदी की लगातार पांचवीं भागीदारी होगी. अब तक भारत ने ऋ7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच शिखर सम्मेलन में 11 बार भाग लिया है. गुरुवार को यहां प्रस्थान से पहले मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि 14 जून इस साल के जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच शिखर सम्मेलन का मुख्य दिन है.

क्वात्रा ने कहा कि, जी7 शिखर सम्मेलनों में भारत की नियमित भागीदारी स्पष्ट रूप से वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए भारत द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों की बढ़ती मान्यता और योगदान को दर्शाती है. इसमें शांति, सुरक्षा, विकास और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं. ऋ-7 शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने हाल ही में जी-20 की अध्यक्षता की है. भारत ने अब तक वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के दो सत्र आयोजित किए हैं.

यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान, भारत ने अफ्रीकी संघ को अंतर-सरकारी मंच पर लाने की पहल की थी. इसमें पहले 19 संप्रभु राष्ट्र और यूरोपीय संघ शामिल थे, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख मुद्दों जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता, जलवायु परिवर्तन शमन और सतत विकास को संबोधित करने के लिए काम करता है. अफ्रीकी देश वैश्विक दक्षिण के अधिकांश देशों में शामिल हैं.

क्वात्रा ने कहा कि, जी7 शिखर सम्मेलनों में, हम (भारत) हमेशा वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को उठाते हैं. विदेश सचिव ने आगे बताया कि, इस वर्ष 13 से 15 जून तक इटली के अपुलिया में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में चार महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. रूस और यूक्रेन के बीच तथा पश्चिम एशिया में इजरायल और हमास के बीच युद्ध, विकासशील देशों के साथ संबंध, विशेष रूप से अफ्रीका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना, जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा से जुड़े प्रवासन, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई).

क्वात्रा ने कहा कि, जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा जी7 देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है. उन्होंने कहा कि इनके विवरण निर्धारित होने पर साझा किए जाएंगे. भारत के अलावा, मेजबान देश इटली ने जी7 शिखर सम्मेलन के लिए आउटरीच देशों के रूप में अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, मिस्र, केन्या, मॉरिटानिया, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, ट्यूनीशिया, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात (वअए) को भी आमंत्रित किया है. क्वात्रा ने कहा कि इटली की यात्रा के दौरान मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया के बीच द्विपक्षीय बैठक भी निर्धारित है.

जी7 क्या है और इसके वार्षिक शिखर सम्मेलन क्यों महत्वपूर्ण हैं?

जी7 एक अंतर-सरकारी राजनीतिक और आर्थिक मंच है जिसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यू.के. और यू.एस. शामिल हैं. इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ (एव) एक 'गैर-गणना सदस्य' है. यह बहुलवाद, उदार लोकतंत्र और प्रतिनिधि सरकार के साझा मूल्यों के इर्द-गिर्द संगठित है. जी7 के सदस्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हैं.

1973 में वित्त मंत्रियों की एक तदर्थ सभा से शुरू होकर, ऋ7 तब से प्रमुख वैश्विक मुद्दों, विशेष रूप से व्यापार, सुरक्षा, अर्थशास्त्र और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में समाधानों पर चर्चा और समन्वय के लिए एक औपचारिक, उच्च-प्रोफाइल स्थल बन गया है. प्रत्येक सदस्य के सरकार या राज्य के प्रमुख, यूरोपीय संघ के आयोग के अध्यक्ष और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष के साथ, ऋ7 शिखर सम्मेलन में सालाना मिलते हैं. ऋ7 और एव के अन्य उच्च-रैंकिंग अधिकारी पूरे वर्ष मिलते हैं.

1997 से रूस को राजनीतिक मंच में जोड़ा गया, जिसे अगले वर्ष ऋ8 के रूप में जाना जाने लगा. मार्च 2014 में, क्रीमिया के विलय के बाद रूस को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया था. इसके बाद राजनीतिक मंच का नाम वापस जी7 हो गया. जनवरी 2017 में, रूस ने जी8 से अपनी स्थायी वापसी की घोषणा की.

जी7 शिखर सम्मेलन सदस्य देशों को अपनी आर्थिक नीतियों के समन्वय के लिए एक मंच प्रदान करता है. उनके सामूहिक आर्थिक भार को देखते हुए, ये निर्णय वैश्विक आर्थिक रुझानों और स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं.

ऐतिहासिक रूप से, जी7 ने 1980 के दशक के ऋण संकट, 1997 के एशियाई वित्तीय संकट और 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट सहित वैश्विक आर्थिक संकटों का जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. ये शिखर सम्मेलन विश्व नेताओं के बीच प्रत्यक्ष और अनौपचारिक चर्चाओं की अनुमति देते हैं, राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देते हैं और तनाव को कम करते हैं. मुख्य रूप से आर्थिक होने के बावजूद, ऋ7 ने आतंकवाद, अप्रसार और क्षेत्रीय संघर्षों सहित वैश्विक सुरक्षा मुद्दों को तेजी से संबोधित किया है. जी7 विकास सहायता को बढ़ावा देने और वैश्विक असमानताओं को दूर करने में सहायक रहा है।

वित्त मंत्री से आईएफएससीए के अध्यक्ष के. राजारमन ने मुलाकात की

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के अध्यक्ष के. राजारमन गुरुवार को केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले। आईएफएससीए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण कानून, 2019 (आईएफएससीए कानून) के तहत स्थापित एक वैधानिक प्राधिकरण है, जिसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्रों (आईएफएससी) में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों को विकसित और विनियमित करने का अधिकार है।

कुवैत अग्निकांड में भारत के 42 नागरिकों की मौत, मदद के लिए विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन पहुंचे

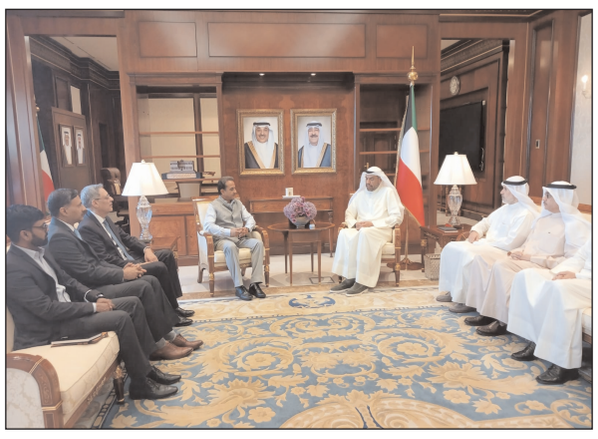

कुवैत सिटी। भारत के विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह गुरुवार को कुवैत पहुंचे। यहां पर वह सबसे पहले अस्पताल गए। वहां उन्होंने अग्निकांड में झुलसे भारतीय नागरिकों से मुलाकात कर हालचाल जाना।

उन्होंने कुवैत के विदेशमंत्री अब्दुल्ला अली अल याहया से मुलाकात की। याहया ने भरोसा दिलाया कि वे शवों को जल्द से जल्द भारत पहुंचाने में मदद करेंगे। कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने भारतीय नागरिकों के शवों को मातृभूमि पहुंचाने के लिए विमानों की तैयारी का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद भी दी जाएगी। अमीर की घोषणा की पुष्टि आंतरिक मंत्री शेख फहद अल-यूसेफ ने की है। उल्लेखनीय है कि कुवैत के मंगाफ शहर में एक बहुमंजिला इमारत में बुधवार को आग लगने से 49 लोगों की मौत हो गई। इनमें 42 भारतीय नागरिक हैं। इनमें केरल के 14 लोग शामिल हैं। छह मंजिला इमारत में लगी आग की लपटों में बड़ी संख्या में लोग झुलसे हैं। बताया गया है कि भारतीय राज्य केरल की स्वास्थ्यमंत्री वीना जॉर्ज भी कुवैत पहुंचने वाली हैं। वह आज ही भारत से कुवैत के लिए रवाना हुई हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि झुलसे लोगों का इलाज कुवैत के पांच अस्पतालों- अदान, जाबेर, फरवानिया, मुबारक अल कबीर और जाहरा में चल रहा है। सभी की हालत पहले से बेहतर है। कुवैत में भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर 965-65505246 जारी किया है। अरब टाइम्स के अनुसार मरने वालों में 20 से 50 साल की आयु के बीच लोग है। इनमें ज्यादातर केरल और तमिलनाडु के हैं। सभी एनबीटीसी कंपनी में काम करते थे।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे हैं। अधिकारियों ने घोषणा की है कि हताहत कुछ लोगों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण कराया जाएगा। केरल के जो लोग हताहत हुए हैं, उनमें से कुछ की पहचान हो गई है। इनमें पंडालम के आकाश एस नायर (23), कोल्लम पूयाप्पल्ली के उमरुद्दीन शमीर (33), कोट्टायम पंपडी के स्टेफिन अब्राहम साबू (29), कुंडदुकम (कासरगोड के केआर रंजीत (34), कासरगोड के केलू पोनमलेरी (55), वजहमुट्टम (पथानामथिट्टा) के पीवी मुरलीधरन, पुनालुर (कोल्लम) के साजन जॉर्ज, वेलिचिकला (कोल्लम) के लुकोस (48), कोन्नी के साजू वर्गीस (56), तिरुवल्ला के थॉमस ओम्मन, धर्मडोम (कन्नूर) के विश्वास कृष्णन, कूटयी (तिरुर) मलप्पुरम के नूह, मलप्पुरम के एमपी बहुलायन और चंगनास्सेरी (कोट्टायम) के श्रीहरि प्रदीप हैं।

हताहत अन्य भारतीयों की पहचान थॉमस जोसेफ, प्रवीण माधव, भूनाथ रिचर्ड रॉय आनंद, अनिल गिरि, मोहम्मद शरीफ, द्वारिकेश पटनायक, विश्वास कृष्णन, अरुण बाबू, रेमंड, जीसस लोपेज और डेनी बेबी करुणाकरन के रूप में हुई है।

(अपडेट) कुवैती अधिकारियों ने 45 भारतीयों और फिलीपीन के तीन नागरिकों के शवों की पहचान की

दुबई/कुवैत सिटी। कुवैत के अधिकारियों ने विदेशी श्रमिकों के आवास वाली एक इमारत में आग लगने की घटना में मारे गए 45 भारतीयों और फिलीपीन के तीन नागरिकों के शवों की पहचान कर ली है। एक शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दक्षिणी शहर मंगाफ में बुधवार को सात मंजिला इमारत में आग लगने से कम से कम 49 विदेशी श्रमिकों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। इस इमारत में 196 प्रवासी श्रमिक रह रहे थे। अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र अरब टाइम्स की खबर के अनुसार प्रथम उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबा ने कहा कि अधिकारियों ने 48 शवों की पहचान कर ली है जिनमें 45 भारतीय और तीन फिलीपीनी नागरिक हैं। प्रथम उप प्रधानमंत्री ने कहा कि शेष एक शव की पहचान के प्रयास अब भी जारी हैं। कुवैती अधिकारी दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में विनाशकारी आग की घटना में मारे गए लोगों के शवों का डीएनए परीक्षण करा रहे हैं तथा घटना में मारे गए भारतीयों के शवों को वापस लाने के लिए भारतीय वायुसेना का एक विमान तैयार रखा गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को नई दिल्ली में यह जानकारी दी। इससे पहले आग में घायलों की सहायता के लिए किए जा रहे कार्यों की निगरानी करने तथा इस घटना में मारे गए लगभग 40 भारतीयों के शवों को शीघ्र भारत भेजने के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह आज कुवैत पहुंचे। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह आग हादसे में घायल हुए लोगों की सहायता के प्रयासों और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीरों की शीघ्र वतन वापसी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए कुवैत पहुंचे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने कुवैती समकक्ष अब्दुल्ला अली अल-याह्या से फोन पर बात की और उनसे मृतकों के पार्थिव शरीरों को शीघ्र भारत भेजने का आग्रह किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि कुवैती विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या से कुवैत में आग की त्रासदी पर बात की। इस संबंध में कुवैती अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों से अवगत कराया गया। आश्वासन दिया गया कि घटना की पूरी जांच की जाएगी और जिम्मेदारी तय की जाएगी।

'सभ्यताओं के बीच संवाद' मानव सभ्यता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति है : इरीना बोकोवा

बीजिंग। यूनेस्को की पूर्व महानिदेशक इरीना बोकोवा ने कहा कि 'सभ्यताओं के बीच संवाद' मानव सभ्यता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव पारित कर 10 जून को 'सभ्यताओं के संवाद' का अंतर्राष्ट्रीय दिवस स्थापित किया।

यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है, जो संयुक्त राष्ट्र के मिशन के अनुरूप है और विश्व के विभिन्न देशों के लोगों और सभ्यताओं के बीच आपसी समझ व मान्यता को बढ़ाएगा।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी को दिए एक लिखित साक्षात्कार में बोकोवा ने कहा कि 'सभ्यताओं के बीच संवाद' के अंतर्राष्ट्रीय दिवस की स्थापना का निर्णय संयुक्त राष्ट्र के मूल इरादे और अवधारणा के अनुरूप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के कई हालिया प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र को 'सभ्यताओं के बीच संवाद का प्राकृतिक घर' के रूप में परिभाषित करते हैं। इस तरह के संवाद सभी क्षेत्रों में मानव प्रयासों के समृद्ध और फलदायी विकास को बढ़ावा दे सकते हैं।

बोकोवा का मानना है कि आज की दुनिया शांति और सतत विकास बनाए रखने जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रही है और सभ्यताओं के बीच संवाद अधिकाधिक महत्वपूर्ण हो गई है। 'सभ्यताओं के बीच संवाद' अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का 'उप-उत्पाद' नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति और रचनात्मकता, नए विचारों के विकास और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए निरंतर प्रेरक शक्ति है।

तकिया से मुंह दबाकर की गई थी बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या

कोलकाता। पड़ोसी देश बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या तकिया से मुंह दबाकर की गई है। पश्चिम बंगाल सीआईडी के एक आला अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि राजधानी में न्यू टाउन के फ्लैट में घुसते ही आरोपितों ने उनका मुंह तकिया से दबा दिया था और दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

इस अधिकारी के अनुसार, नेपाल से गिरफ्तार कर कोलकाता लाए गए आरोपित मोहम्मद सियाम हुसैन ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि सांसद अनार का गला घोंटने में एक महिला ने भी मदद की थी। उसने महिला को अमेरिकी नागरिक और मामले के मुख्य आरोपित अख्तरुज्जमां की करीबी बताया है।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित बागजोला नहर के पास मानव हड्डियों के कुछ हिस्से बरामद हो चुके हैं। सियाम को शनिवार शाम नेपाल से पश्चिम बंगाल लाया गया था। उसे बारासात की एक स्थानीय अदालत ने सीआईडी की 14 दिन की हिरासत में भेज दिया था। सियाम से पूछताछ के दौरान सीआईडी को प्रारंभिक जांच से पता चला कि सांसद के करीबी दोस्त अख्तरुज्जमां ने अपराध में शामिल लोगों को लगभग पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया। अख्तरुज्जमां के पास कोलकाता में एक फ्लैट है। वह फिलहाल अमेरिका में रहता है।